RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

साधारण दिखने वाले लोग ही दुनिया के सबसे अच्छे लोग होते है।

अब्राहम लिंकन

वर्ष-06, अंक - 15 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 04 जनवरी 2024 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

हिट एंड रन :ड्राइवरों का पक्ष जानना भी जरूरी

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। कोई भी चालक जानबूझकर दुर्घटना नहीं करता है और न ही कोई चालक दुर्घटना के बाद घायल को उसी हाल में छोड़कर भागना चाहता है। किंतु परिस्थिति वश् उसे अपनी जान बचाकर भागना पड़ता है। कहते हैं कि, भीड़ में न तो अकल होती है और न ही भीड़ का कोई चेहरा होता है। अधिकतर दुर्घटना अनजाने में हादसे के रूप में होती है और अधिकतर मामलों में बड़े वाहन चालकों की गलती को मानकर चालक के साथ मॉब लीचिंग (भीड़ द्वारा हिंसा) देश के विभिन्न भागों में दुर्घटना के बाद अक्सर होती रहती है। ऐसे में किसी भी हादसे में संबंधित चालक का पक्ष जानना भी आवश्यक है। क्योंकि मॉब लीचिंग की घटना में अक्सर ड्राइवरो को हिंसा का शिकार होना पड़ता है और भीड़ में किसी को भी दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। ऐसे में रास्ते में चलता आदमी भी दुर्घटना के बाद ड्राइवर पर हाथ साफ कर देता है।

पहले मॉब लीचिंग पर कानून बने

कोई भी वाहन चालक इंसान ही होता है और उसमें भी दया और करुणा की भावना रहती है । दुर्घटना में वो चाहता है कि घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचना चाहिए लेकिन परीस्थितियों को देखकर वह भागना चाहता है। क्योंकि अगर वो नही भागे तो उसकी मौत भी हो सकती है ।देश में कई हिस्सों में दुर्घटना के बाद आक्रोषित भीड़ द्वारा चालकों की पीट-पीट कर हत्या व वाहन को आग लगाने संबंधी कई घटना हो चुकी है। अतः सरकार को चाहिए कि वो पहले मॉब लीचिंग के संबंध में कानून बनाये क्योंकि अगर चालक को मॉब लीचिंग का भय नहीं रहेगा तो अधिकतर मामलों में चालक मानवता दिखाते हुए पहले घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाएगा।

सरकार दूसरी बार बैकफुट पर

कृषि कानूनो को लेकर लंबे आंदोलन के पश्चात् सरकार ने उन कानूनों को वापस ले लिया था लेकिन इस बार वाहन चालकों की तीन दिनी हड़ताल पर तुरंत संज्ञान लेते हुए सरकार ने दो दिन में ही इसे स्थगित कर दिया है और वाहन चालकों से चर्चा करने का आश्वासन दिया है। लेकिन कानून को लेकर सरकार का रवैया अभी स्पष्ट नहीं है। कई बुद्धिजीवियों का मानना है कि, आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए सरकार अभी किसी भी वर्ग की नाराजगी मोल लेना नहीं चाहती है इसलिए फिलहाल इस कानून को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है । हो सकता है कि, सरकार इसे लोकसभा चुनाव के पश्चात लागू करेगी। वहीं वाहन चालकों का कहना है कि, इस कानून को रद्द किया जाना चाहिए।

आकार में भले छोटा लेकिन इसका दिल बहुत बड़ा लक्षद्वीप - पीएम मोदी

कावारत्ती, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार द्वारा शुरू किए गए सुधारों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों का गवाह बने मुस्लिम बहुल लक्षद्वीप के लोगों का दिल जीतने के प्रयास के तहत बुधवार को कहा कि, यह द्वीपसमूह भले ही छोटा है लेकिन इसका दिल बड़ा है। प्रधानमंत्री ने यहां केंद्र शासित प्रदेश में एक हजार 150 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा, लक्षद्वीप का क्षेत्रफल भले ही छोटा हो लेकिन उसका दिल बहुत बड़ा है। मैं यहां मिल रहे प्यार और आशीर्वाद से अभिभूत हूं। मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री मंगलवार को लक्षद्वीप पहुंचे थे। उन्होंने आज एक समारोह में इन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

समारोह में महिलाओं और बच्चों सहित सैकड़ों द्वीपवासियों ने भाग लिया। मोदी ने अपने संबोधन में केंद्र की पूर्ववर्ती गैर-भाजपा सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि दशकों से उनकी एकमात्र प्राथमिकता अपने राजनीतिक दलों का विकास करना रही। उन्होंने कहा, दूर-दराज के राज्यों, सीमावर्ती क्षेत्रों या जो समुद्र के बीच हैं, उन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। ऐसे क्षेत्रों के विकास के लिए अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताते हुए मोदी ने कहा, पिछले 10 वर्षों में हमारी सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्रों और समुद्र के किनारे के स्थानों को अपनी प्राथमिकता बनाया है।

उन्होंने कहा, 2020 में, मैंने आपको गारंटी दी थी कि आपको अगले एक हजार दिनों के भीतर तेज इंटरनेट सुविधा मिलेगी। आज कोच्चि-लक्षद्वीप पनडुब्बी ऑप्टिकल फाइबर परियोजना का उद्घाटन किया गया है। अब लक्षद्वीप में इंटरनेट 100 गुना अधिक गति से उपलब्ध होगा। प्रधानमंत्री ने अगस्त 2020 में लाल किले पर अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में यह घोषणा की थी। इस पहल का उद्देश्य लक्षद्वीप पर धीमी इंटरनेट गति की चुनौती को दूर करना है। अधिकारियों के अनुसार, इससे द्वीपों में इंटरनेट की गति 100 गुना से अधिक बढ़कर, 1.7 जीबीपीएस से 200 जीबीपीएस (गीगा बाइट प्रति सेकेंड) हो जाएगी। उन्होंने कहा कि, लक्षद्वीप अब एक पनडुब्बी ऑप्टिकल फाइबर केबल के माध्यम से जुड़ा हुआ है, जो संचार बुनियादी ढांचे में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है।

रामलला की पुरानी वाली मूर्ति कहां है जिसपर विवाद हुआ- दिग्विजय सिंह

इंदौर।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने अयोध्या के राम मंदिर का विवाद उठाया है। दिग्विजय सिंह ने सवाल उठाते हुए कहा है कि, रामलला की वो पुरानी मूर्ति कहां हैं और पुरानी मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा क्यों नहीं हो रही है...? मध्य प्रदेश के इंदौर में दिग्विजय सिंह ने मीडिया से बातचीत में बुधवार को यह बात कही। दिग्विजय सिंह से रामलला की मूर्ति के प्राण-प्रतिष्ठा से जुड़े कार्यक्रम में न्योते को लेकर सवाल पूछा गया था।

इस पर दिग्विजय सिंह ने कहा, भगवान राम हमारे दिल में हैं। रामलला की वो पुरानी मूर्ति कहां है जिसपर विवाद हुआ...? पुरानी मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा क्यों नहीं हो रही...? नई मूर्ति कहां से आ रही है...? नई मूर्ति की जरूरत क्या है...?

ईवीएम पर दिग्गी ने उठाए सवाल

दिग्विजय सिंह से जब यह पूछा गया कि, भाजपा ने दावा किया है कि वो 400 से ज्यादा सीटें लोकसभा चुनाव में हासिल करेगी। इसपर दिग्विजय सिंह ने कहा कि, उन लोगों ने वर्ष 2014 में 272 सीटों से ज्यादा लाने की बात कही थी और उन्होंने यह किया। इसी तरह उन्होंने वर्ष 2019 में 300 सीटों की बात कही थी और वो लोग उससे ज्यादा ले आए। जब तक उन्हें ईवीएम का साथ मिलता रहेगा वो अपने लक्ष्य के पार जाते रहेंगे। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जादू नहीं बल्कि ईवीएम का जादू है।

ईडी के ऐक्शन पर क्या बोले दिग्विजय

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पर ईडी के ऐक्शन को लेकर दिग्विजय सिंह ने कहा कि, ईडी का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के तौर पर हो रहा है और हम इसकी निंदा करते हैं। इससे पहले ईडी ने जिनपर छापेमारी की थी वो सीएम बने गए। महाराष्ट्र में जिनके खिलाफ ईडी ने छापेमारी की थी वो मुख्यमंत्री बन गए। पीएम मोदी के लिए भ्रष्टाचार कोई मुद्दा नहीं है।

शिवराज सिंह चौहान का छलका दर्द, बंगले का नाम रखा 'मामा का घर'

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चर्चा में बने हुए हैं। प्रदेश की सत्ता से बाहर जाने के बाद शिवराज का दर्द बाकी है। उन्हें लगता है कि राजपथ के बजाए वनवास के रास्ते पर चलना पड़ा है, लेकिन उद्देश्य बहुत बड़ा है। अपने गृह क्षेत्र बुधनी में शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री न बन पाने को लेकर कहा, कोई बड़ा उद्देश्य होगा। कई बार राजतिलक होते होते वनवास भी हो जाता है। ऐसा किसी न किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए ही होता है। लेकिन चिंता मत करना। मेरी जिंदगी बहनों, बेटियों और जनता जनार्दन के लिए है। इस धरती पर तुम्हारी जिंदगी से दुख दर्द करने आया हूं। आंखों में आंसू नहीं रहने दूंगा। दिन और रात काम करूंगा और अब अपना पता है बी-8, 74 बंगला। उसका मैंने रख दिया है- 'मामा का घर'

दरअसल, श्यामला हिल्स स्थित मुख्यमंत्री निवास छोड़कर शिवराज सिंह चौहान अब भोपाल के ही लिंक रोड-1 स्थित बी-8, 74 बंगला में शिफ्ट हो चुके हैं। अब अपने नए आवास का नाम शिवराज ने 'मामा का घर' रख दिया है। पता हो कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बहनों के भइया और भांजे-भांजियों के मामा के नाम से लोकप्रिय हैं।

पेटलावद थाने से लापता हुई मंजू को आखिर जमीन निगल गई या आसमान...

खाकी वर्दी हो रही दागदार : सीएम हेल्पलाइन शिकायत पर एक और परिवार हुआ प्रताड़ित

थाने पर पुलिस ने बुलाकर पति के विरुद्ध किया झूठा मामला दर्ज तो पत्नी थाने से हुई लापता जिसका नहीं है आज तक कोई पता...

माही की गूंज, झाबुआ।

पुलिस का काम है न्याय व्यवस्था का पालन करवाना और आमजन की समस्याओ को सुनना व न्यायिक कार्रवाई के साथ पीड़ितों को न्याय दिलवाना पुलिस का अहम कार्य है। लेकिन ऐसे कई मामले में सामने आता है कि पुलिस की कार्य प्रणाली से पीड़ितों की पीड़ा बढ़ा देती है और पुलिस अपराधिक कटघरे में खड़े होते दिखाई पड़ती है। वहीं सीएम हेल्पलाइन व्यवस्था आमजन के हित में हर परेशानी से बचने व विधि सम्मत कार्य व योजनाओं का पालन एक ही शिकायत के बाद हो जिसके लिए सीएम हेल्पलाइन व्यवस्था है। लेकिन उक्त सीएम हेल्पलाइन व्यवस्था का उपयोग करना भी कई मामलों में पीड़ितों के हक में न्याय मिलने की जगह उन्हें कई तरह की अधिकारियों द्वारा प्रताड़ना झेलनी पड़ जाती है और यहां तक की जेल की हवा तक खाना पड़ रही है।

माही की गूंज ने कुछ समय पूर्व ही सीएम हेल्पलाइन पर हुई शिकायत का एक मामला उजागर किया था। जिसमें पीड़ित द्वारा सीएम हेल्पलाइन से शिकायत वापस नहीं लेने पर एक नायब तहसीलदार विपक्षी को हथियार बनाकर वह सब कुछ किया जो विधि सम्मत नहीं था।

वहीं पेटलावद थाने के अंतर्गत एक और मामला ऐसा सामने आया जिसमें भी सीएम हेल्पलाइन शिकायत करने पर पुलिस ने थाने पर शिकायत वापस लेने हेतु एक दंपति को फोन कर थाने बुलवाया और शिकायत वापस नहीं लेने पर पीड़ित पति के विरुद्ध झूठा मुकदमा दर्ज कर रात भर थाने में रख जेल भेज दिया। वहीं पीड़िता पत्नी को रात भर थाने में रखा व पति को जेल भेजने के बाद पुलिस की कस्टडी में रात भर रही पीड़िता सात माह से लापता है जिसका पता, पति व मायका पक्ष को सात माह के बाद भी अब तक नहीं लग सका है कि आखिर परिवार की वह महिला कहां है...?

यह है पूरा मामला

पेटलावद थाने के दूल्हाखेड़ी निवासी मंजू (22) की शादी एक-डेढ़ वर्ष पूर्व थांदला थाने की खवासा चौकी के अंतर्गत ग्राम रत्नी निवासी दुर्गेश पिता दीपा कटारा के साथ हुई थी। मंजू की जान-पहचान शादी के पूर्व विजय पिता मोतीलाल भूरिया निवासी पत्थरपाड़ा (सारंगी) से थी। मंजू की जान-पहचान के चलते अपने पति दुर्गेश को बिना बताए चांदी की एक पांच सौ ग्राम के करीब की रकम विजय के मांगने पर दे दी थी। जिसको लेकर पारिवारिक कहा- सुनी पति-पत्नी के मध्य भी हुई तथा मामला पुलिस चौकी तक भी पहुंचा। लेकिन विजय ने चांदी की रकम मंजू को नहीं दी इसी दौरान 21 अप्रैल 2023 को खवासा चौकी में पुलिस ने पहले मंजू के बयान लिए जिसके बाद पति दुर्गेश व उनके साथी को बात करने के लिए चौकी के अंदर बुलाया और मंजू को बाहर चौकी परिसर में बैठने को कहा, इसी दौरान मंजू चौकी परिसर से कहीं चली गई। लेकिन मंजू की सूचना दूसरे दिन सुबह 22 अप्रैल 2023 को पुलिस चौकी खवासा के माध्यम से मंजू के पति दुर्गेश को सूचना मिली कि, मंजू पेटलावद थाने के कईडावद-कुंडाल के बीच एक धर्मशाला में बेहोशी की हालत में पड़ी है। जिसके गले में विजय भूरिया को दी हुई वह रकम भी पहनी हुई है जिसका फोटो भी खवासा के एक पुलिस अधिकारी ने दुर्गेश को बताया।

जिसके बाद दुर्गेश व उसका परिवार मंजू को बेहोशी की स्थिति में खवासा चौकी पर लाये जिसके बाद बामनिया के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर 22 अप्रैल से 29 अप्रैल तक मंजू का कीटनाशक रोधक के संबंध में उपचार हुआ। उपचार के बाद मंजू के साथ पूर्व में व 21 अप्रैल की रात में विजय भूरिया व उसके साथी द्वारा डरा धमका कर बलात्कार करना व सुबह 5 बजे जान से मारने हेतु कीट नाशक दवाई पिलाई जाने संबंधी सारंगी चौकी पर बयान दिए। सुनवाई नहीं होने पर 9 मई 2023 को झाबुआ एसपी को भी लिखित शिकायत की गई। जब मंजू की रिपोर्ट पर एसपी को भी शिकायत करने पर कोई कार्रवाई नहीं होने पर सीएम हेल्पलाइन पर भी न्याय मिलने की आस के साथ दुर्गेश ने अपनी शिकायत की। जिसके बाद मामले को पुरी तरह से दबाने के लिए भी भील भांजगड़ी के साथ मामले को रफा- दफा करने का प्रयास पुलिस ने भी किया। नतीजन 27 मई 2023 को सारंगी चौकी पर एक पुलिसकर्मी ने ही अपने हस्तलेख से कीटनाशक दवाई विजय द्वारा मंजू को पिलाए जाने पर समझौता नामा लेख लिखा व 75 हजार में समझौता करवाकर 10 हजार रूपये नगदी पुलिस ने विजय पक्ष से दिलवाए।

7 माह पुर्व पेटलावद थाने से लापता हुई मंजु का अभी तक नही लगा पता।

पिडीत पति दुर्गेश, अपनी पत्नि मंजु को उसके सुपुर्द करने के लिए पुलिस से लगा रहा गुहार।

उक्त समझौते के बाद भी सीएम हेल्पलाइन पर की गई शिकायत के बाद पुलिस परेशान हुई और 29 मई 2023 को दुर्गेश व मंजू को सारंगी चौकी प्रभारी रामसिंह चौहान ने 79994 28305 से फोन कर पुलिस थाना पेटलावद बुलवाया।

सीएम हेल्पलाइन शिकायत वापस नहीं लेने पर भेजा दुर्गेश को जेल

पेटलावद-सारंगी पुलिस ने दुर्गेश पर दबाव बनाया कि, आज के आज तू पुलिस के विरुद्ध की गई शिकायत सीएम हेल्पलाइन से वापस ले-ले लेकिन दुर्गेश ने शिकायत लेने से इनकार किया तो दुर्गेश से मोबाइल छीन लिया और पासवर्ड मांगे लेकिन दुर्गेश ने पासवर्ड नहीं दिए तो पुलिस सारी कानून मर्यादा भूल पति-पत्नी को थाने के एक ही लॉकअप में अंदर डाल दिया। वहीं रात्रि साढे 10 बजे तक भी दुर्गेश अपनी जीद पर अड़ा रहा और मोबाइल पासवर्ड पुलिस को नहीं दिए जिसके बाद बौखलाई पुलिस ने मंजू को महिला लॉकअप में डाला और आधी रात के बाद विपक्षी विजय भूरिया को पकड़ कर थाने ले आए। उसके बाद रूपगढ़ रोड पर दुर्गेश व विजय इज्जत के पैसे की मांग करते हुए शांति भंग कर रहे थे की कहानी रच शांति भंग का मामला दर्ज कर एसडीएम कार्यालय में पेश कर दुर्गेश को जेल भेज दिया साथ ही विजय को भी।

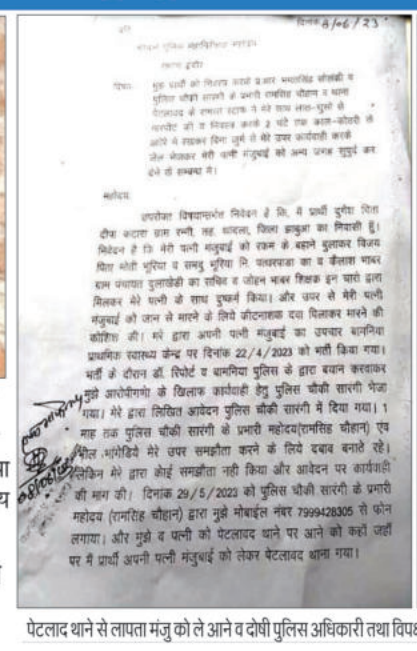

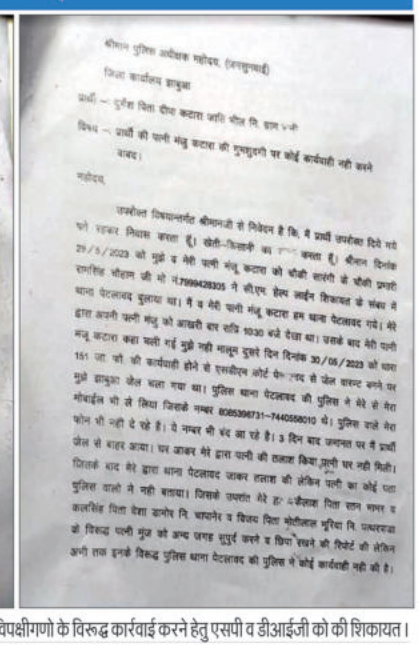

पेटलाद थाने से लापता मंजु को ले आने व दोषी पुलिस अधिकारी तथा विपक्षीगणो के विरूद्ध कार्रवाई करने हेतु एसपी व डीआईजी को की शिकायत।

पुलिस थाने पर ही थी मंजू जो आज तक भी कहा है यह किसी को नहीं पता

दुर्गेश को तो पुलिस ने बिना किसी अपराध के जेल भेज दिया जो तीन दिन बाद अपनी जमानत करवा कर बाहर आ गया। दुर्गेश जब घर पहुंचा लेकिन मंजू घर पर नहीं होने के चलते, दुर्गेश पेटलावद पुलिस थाने पर अपनी पत्नी को छुड़ाने के लिए गया। तो पुलिस ने दुर्गेश से कहा, तेरी पत्नी को सुबह छोड़ दिया था वह तेरे घर आ गई होगी। जप्त किया मोबाइल मांगने पर पेटलावद पुलिस ने कह दिया उक्त मोबाइल भी तेरी पत्नी को दे दिया था।

पुलिस द्वारा की गई ज्यादती व विजय के द्वारा किया गया अपराध के संबंध में भी 6 जून 2023 को एसपी झाबुआ व 8 जून 2023 को डीआईजी संभाग इंदौर को भी दुर्गेश ने शिकायत दर्ज की। साथ ही पुनः 26 दिसंबर 2023 को भी एसपी झाबुआ को पुलिस थाने से गुमसुदा हुई पत्नी के संबंध में व पुलिस थाने में जप्त किया मोबाइल व उसमें लगी सिम 8085396731,7440558010 जो अभी बंद ही बता रहा है की शिकायत की। एसपी ने भले ही आस्वस्त मंजू के संबंध में किया, लेकिन दुर्गेश के साथ हुई पुलिस की प्रताड़ना व विजय द्वारा किए गए अपराध की शिकायत में जो भी सही हो या गलत यह तो निष्पक्ष जांच के बाद ही पता चलेगा। जांच सही पाई जाती है तो तय है पुलिस भी अपराधी ही साबित होगी यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा। लेकिन पुलिस थाने में रात भर रही मंजू को पुलिस ने आखिर किसके सुपुर्द किया या पुलिस ने उसे कहा लापता करवा दिया है, पति दुर्गेश के व मायके पक्ष वालों के इन आरोपों का जवाब तो पुलिस को देना ही पड़ेगा। पुलिस अब भी समय रहते मंजू को ढूंढ निकालती है तो सारी स्थिति सामान्य हो सकती है। अगर मंजू नहीं मिली और मंजू को कुछ हो गया तो तय है पुलिस द्वारा ही उत्पन्न की गई यह आफत पुलिस को भी कई मायनो में भारी ही पड़ती नजर आ रही है। हम भी यही प्रार्थना करते हैं कि, मंजू कहीं पर भी हो सही सलामत हो और पुलिस को वह मिल जाए।

पत्नी की मर्जी के बगैर संबंध बनाना क्रूरता- हाई कोर्ट

तिरुवंतपुरम।

केरल हाई कोर्ट ने पति-पत्नी विवाद में बड़ा फैसला लेते हुए कहा कि पत्नी शारिरिक क्रूरता के आधार पर तलाक की हकदार है। अदालत ने कहा कि, यदि पति बिना मर्जी के शारिरिक संबंध बनाता है तो यह मानसिक और शारिरिक क्रूरता माना जाएगा। मामला एक महिला की दो याचिकाओं से जुड़ा है, जिसमें उसने पति पर शारिरिक क्रूरता और जबरन संबंध बनाने को आधार बनाते हुए तलाक की अर्जी लगाई थी। इसके अलावा उसने ससुरालियों पर उसके गहने और पैसों का दुरपयोग करने और उसे घर से निकालने का आरोप लगाया है। मामले में पहले पारिवारिक अदालत महिला की याचिकाओं को खारिज कर चुका है।

महिला की दो याचिकाओं पर सुनवाई न्यायमूर्ति अमित रावल और सीएस सुधा की खंडपीठ ने की। केरल हाई कोर्ट ने कहा कि अलग-अलग लोग यौन विकृत कृत्यों को अलग-अलग तरीके से परिभाषित किया जा सकता है, लेकिन अगर एक पक्ष यौन संबंध बनाने के लिए असहमति जताए या आपत्ति व्यक्त करे तो दूसरे को उसका सम्मान करना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है तो यह क्रूरता मानी जाएगी।

पारिवारिक अदालत के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट का रुख

दरअसल, महिला ने पारिवारिक अदालत के दो आदेशों के खिलाफ हाई कोर्ट में दो याचिकाएं डाली थी। इसमें पहला आदेश पति की क्रूरता के आधार पर तलाक की अर्जी थी, जिसे पारिवारिक अदालत ने खारिज कर दिया था। दूसरा आदेश पति को मिलने वाले वैवाहिक अधिकार थे। महिला की दो अलग-अलग याचिकाओं को सुनते हुए अदालत ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति का आचरण और चरित्र पति या पत्नी के दुख और पीड़ा का कारण बनता है, तो वह आचरण निश्चित रूप से पति या पत्नी के लिए क्रूरता होगा। इसलिए महिला को तलाक की मंजूरी मिलना उचित है।

बिना मर्जी के संबंध बनाना क्रूरता

हाई कोर्ट ने कहा,पत्नी को उसकी इच्छा और सहमति के विरुद्ध यौन विकृतियों के अधीन करना निश्चित रूप से मानसिक और शारीरिक क्रूरता का कार्य है।

जबलपुर और महाकौशल क्षेत्र के लिए मुख्यमंत्री ने की घोषणाएं...

जबलपुर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि, प्रदेश के महाकौशल क्षेत्र में तीव्र प्रगति सुनिश्चित की जाएगी। संभाग के सभी जिलों में नए उद्योगों से लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार प्राप्त होगा और खुशहाली आएगी। खाद्य प्रसंस्करण, दुग्ध उत्पादन और अन्य संबंधित गतिविधियों से नागरिकों को लाभान्वित किया जाएगा। करीब 800 करोड़ रूपए की लागत से एलिवेटेड कॉरीडोर विकसित होगा, जो प्रदेश का सबसे बड़ा कॉरीडोर होगा। महाकौशल क्षेत्र में जनसहयोग से विकास का कारवां आगे बढ़ेगा। प्रगति के कार्य निरंतर चलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज जबलपुर में 409.53 करोड़ रूपये लागत के विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण कर रहे थे। इनमें 100.66 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन और 308.87 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन ग्रामों की तकलीफें दूर की जाएंगी। आज बरगी डेम के प्रभावित 10 ग्राम के 1414 परिवारों को भू-अभिलेख के पट्टे भी प्रदान किए गए। जबलपुर में 63 एकड़ क्षेत्र में आई.टी. पार्क का निर्माण कार्य किया जाएगा, इसकी लागत 400 करोड़ रूपए है। इसके अलावा 65 करोड़ रूपए की लागत के गारमेंट और फैशन डिजाइन क्लस्टर का विकास होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनेक हितग्राहियों को हितलाभ भी प्रदान किए। कार्यक्रम में 1414 परिवारों को भू-अधिकार के पट्टे प्रदान किए गए।

जबलपुर शहर का स्वरूप बदल देंगे विकास कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज जबलपुर में कौशल विकास, चिकित्सा शिक्षा विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभागों के विकास कार्यों की शुरूआत की हैं। इन विकास कार्यों से जबलपुर शहर का स्वरूप बदल जाएगा। इन कार्यों में बरगी जिला जबलपुर में 03 ट्रेड आईटीआई का भवन निर्माण कार्य, एन.एस.सी.बी. मेडिकल कॉलेज जबलपुर में स्नातक प्रवेश क्षमता 150 से 250 सीटर उन्नयन, शारदा नगर पार्क मे रांझी वन विहार निर्माण कार्य (मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना), रानी अवन्ती बाई वार्ड चग्गर फर्मा कॉलोनी एवं राजुल सिटी से स्वर्ण भूमि मुख्य मार्ग मे एम 30 सीमेंट सडक निर्माण, महाराजा अग्रसेन वार्ड अंतर्गत अहिंसा चौक से वासु डेरी होते हुए सायबर जंक्शन तक एम 30 सीसी रोड, संभाग क्र 14 अंतर्गत महाराजा अग्रसेन वार्ड गरबा स्कीम नं 5/14 में विभिन्न स्थानों पर एम 30 सीसी सड़क निर्माण कार्य समिति, 750 एमएम पाइप लाइन राजुल काम्प्लैक्स आगा चौक से 300 एमएम पाइपलाइन सर्वोदय नगर तक एवं विभिन्न स्थानों पर पाइपलाइनों का कार्य, जबलपुर स्मार्ट रोड फेस 1 (राइट टाउन रोड), जबलपुर स्मार्ट रोड फेस 2 (गोलबाजार रोड) और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मेडिकल महाविद्यालय जबलपुर में 85 पीजी सीट वृद्धि निर्माण कार्य शामिल हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग के लिए मुख्यमंत्री ने दिये निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि, प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर देश में लागू की गई ÷नई शिक्षा नीति-2020÷में व्यावसायिक शिक्षा (वोकेशनल स्टडीज) पर विशेष जोर दिया गया है। इसी के अनुरूप मध्यप्रदेश में व्यावसायिक शिक्षा के विस्तार के लिये किए जा रहे प्रयासों में और गति लाई जाए।

स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा

विद्यार्थी द्वारा स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के बाद उच्च शिक्षा के लिये प्रवेश लेने के दौरान ही उन्हें वोकेशनल स्टडीज से जोड़कर रोजगार और स्वरोजगार के लिये प्रेरित किया जाए। इससे संपूर्ण शिक्षा प्रणाली को और सार्थक बनाया जा सकता है। नये सीएम राइज विद्यालयों के लिए चयन में व्यावहारिक आधार पर निर्णय लिया जाये और विद्यालयों के निर्माण में डिजाइन और अन्य सभी व्यवस्थाओं को भी बेहतर तरीके से पूर्ण किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग की कार्य गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे।

प्रमुख सचिव को भाजपा के संकल्प पत्र के अनुरूप कार्ययोजना बनाने के निर्देश

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल शिक्षा की वर्तमान व्यवस्थाओं, विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं, नियमित पाठ्यक्रमों के संचालन, सीएम राइज स्कूलों के प्रबंधन और शिक्षा विभाग द्वारा अन्य विभागों के समन्वय से विद्यार्थियों के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने विभाग द्वारा राज्य शासन की प्राथमिकताओं और संकल्प पत्र के बिन्दुओं के अनुरूप कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने विभाग के कार्यों और योजनाओं के संबंध में प्रस्तुतिकरण दिया। बैठक में विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दिए गए प्रमुख निर्देश नई शिक्षा नीति का प्रदेश में तेजी से बेहतर क्रियान्वयन हो। प्रयास करें कि हम स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में देश में अग्रणी बनें।स्कूल शिक्षा विभाग अन्य विभागों से समन्वय कर समस्याओं का निराकरण करे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। जमीनी स्तर पर विभागीय कार्यों का निरीक्षण भी किया जाए।सीएम राइज स्कूल के निर्माण में आने वाली अड़चनों को दूर किया जाये।

नई शिक्षा नीति और सीएम राइज स्कूल के संबंध में धरातल पर स्थिति का जायजा लें और कठिनाईयां दूर करें।

क्या जेलों में होता है जाति-आधारित भेदभाव...? सुप्रीम कोर्ट ने मांग जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जेलों में जाति-आधारित भेदभाव का आरोप लगाने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल सहित 11 राज्यों से जवाब मांगा है।जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि यूपी, पश्चिम बंगाल सहित 11 राज्यों की जेलों में जाति आधारित भेदभाव को बढ़ावा दिया जाता है।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता एस मुरलीधर की दलीलों पर ध्यान दिया। उन्होंने बताया कि 11 राज्यों की जेल नियमावली अपनी जेलों के भीतर काम के बंटवारे में भेदभाव करती है और जाति के अधार पर कैदियों को रखा जाना तय होता है।

वरिष्ठ वकील ने कहा कि, कुछ गैर अधिसूचित आदिवासियों और आदतन अपराधियों से अलग तरीके से बर्ताव किया जाता है और उनके साथ भेदभाव होता है। इस पर कोर्ट ने मुरलीधर से राज्यों से जेल नियमावलियों को एकत्र करने को कहा है और याचिका को चार सप्ताह के बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

पीठ ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और अन्य राज्यों को नोटिस जारी किया है। साथ ही सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वह महाराष्ट्र के कल्याण की मूल निवासी सुकन्या शांता द्वारा दायर जनहित याचिका में उठाए गए मुद्दों से निपटने में कोर्ट की सहायता करें।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, याचिकाकर्ता का कहना है कि जेल की बैरकों में मानव श्रम के आवंटन के संबंध में जाति आधारित भेदभाव है और इस तरह का भेदभाव गैर अधिसूचित आदिवासियों और आदतन अपराधियों के साथ है। केंद्र और राज्य सरकार को नोटिस जारी करें।

डीजीपी के ट्रांसफर पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें पालमपुर के एक व्यवसायी की शिकायत के मद्देनजर राज्य सरकार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) संजय कुंडू को स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डीजीपी के खिलाफ प्रतिकूल निर्देश देने से पहले अधिकारी की बात नहीं सुनी गई।

भारत के मुख्य न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने हाई कोर्ट से अपने 26 दिसंबर के आदेश को वापस लेने की कुंडू की याचिका पर दो सप्ताह के भीतर फैसला करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि जब तक आईपीएस अधिकारी कुंडू के आवेदन पर फैसला नहीं आ जाता, तब आयुष विभाग में प्रमुख सचिव के रूप में उनके स्थानांतरण पर रोक रहेगी।

सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने कहा, याचिकाकर्ता के रिकॉल आवेदन पर निर्णय होने तक, हाई कोर्ट के ट्रांसफर ऑर्डर पर रोक रहेगी। चूंकि याचिकाकर्ता की नई पोस्टिंग उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार है, इसलिए कोई कदम नहीं उठाया जाएगा।

खंडपीठ का आदेश इस सप्ताह की शुरुआत में कुंडू द्वारा दायर एक याचिका पर आया है, जिसमें शिकायत की गई थी कि उच्च न्यायालय ने उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका दिए बिना 26 दिसंबर को उनके खिलाफ अनुचित निर्देश जारी कर दिया है। 26 दिसंबर को, हिमाचल हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को राज्य पुलिस प्रमुख और कांगड़ा के पुलिस अधीक्षक को स्थानांतरित करने का निर्देश दिया था ताकि वे पालमपुर के व्यवसायी निशांत शर्मा की जबरन वसूली और उनकी जान को खतरा होने की शिकायत की जांच को प्रभावित न कर सकें।

संसद में सांसद के तौर पर एंट्री नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी।

कैश-फॉर-क्वेरी मामले में लोकसभा सदस्यता छीन जाने के खिलाफ टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा ठकठकाया था।इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा महासचिव से इस मामले पर दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के आदेश दिए। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट अब अगली सुनवाई 11 मार्च को करने वाली है। हालांकि, सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने कहा कि वो फिलहाल लोकसभा कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले सकती हैं।

पिछले महीने 11 दिसंबर को टीएमसी नेता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। बता दें कि, कैश फॉर क्वेरी मामले में एथिक्स कमेटी की सिफारिश के बाद महुआ की संसद सदस्यता रद्द कर दी गई थी।

तुम्हारी औकात क्या है, वाले कलेक्टर को हटाया, सीएम ने दी चेतावनी

शाजापुर। मप्र शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय से मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि, किशोर कुमार कन्याल (भारतीय प्रशासनिक सेवा 2013 बैच) को शाजापुर कलेक्टर के पद से हटाकर मंत्रालय वापस बुला लिया है। फिलहाल उन्हें कोई काम नही दिया गया है। उनके स्थान पर रिजु बाफना आईएएस अधिकारी 2014 बैच कलेक्टर नरसिंहपुर को कलेक्टर शाजापुर बनाकर भेजा गया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि, इस प्रकार की भाषा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह गरीबों की सरकार है, मैं खुद एक निर्धन परिवार से आता हूं। उम्मीद है मध्य प्रदेश में आज के बाद कोई भी अधिकारी और कर्मचारी, आम नागरिकों के प्रति इस प्रकार की भाषा का उपयोग नहीं करेगा।

तरक्की के आंकड़ों संग सुधरे देश की सेहत

यदि आजादी के 76 साल बाद भी, 74 फीसदी से भी अधिक भारतीय स्वास्थ्यवर्धक भोजन का खर्च उठाने में सक्षम नहीं हैं तो कुछ तो है जो गलत हो रहा है। यह भी तब जबकि देश दुनिया की सबसे तेज गति से तरक्की कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, और संवृद्धि दर अनुमानों के लिहाज से जिन्हें यह लगभग हासिल कर ही लेगा, लगभग 2027 तक भारत के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। अर्थव्यवस्था का आकार जो भी हो, और वह भी अधिकांश अस्वस्थ आबादी से निर्मित हो तो वह इस बात का स्पष्ट संकेतक है कि ग्रोथ मैट्रिक्स यानी संवृद्धि का सांचा देश के स्वास्थ्य से मेल नहीं खाता है।

यह निश्चित तौर पर चिंताजनक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' की अवधि पांच साल और बढ़ाने की घोषणा की, जिसके तहत 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त राशन मिलना जारी रहेगा, तो इससे पूरी तरह स्पष्ट था कि सरकार ने जरूरत समझी है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत निर्धारित 2-3 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत पर सब्सिडी वाले खाद्यान्न, जिसके हकदार गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोग हैं, के अलावा 5 किलोग्राम मुफ्त राशन भी दिया जाये। क्योंकि एनएफएसए आबादी के 67 प्रतिशत हिस्से की जरूरत पूरी करता है, इसके साथ ही अन्य 10 फीसदी भाग ऐसा है जिसके खुराक के स्तर को बेहतर बनाने की तुरंत जरूरत है।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने अपने खाद्य सुरक्षा और पोषण के क्षेत्रीय अवलोकन 2023 में ये हैरान कर देने वाले आंकड़े उजागर किये। यह वर्ष 2021 के लिए अनुमानों पर आधारित था, जो महामारी का साल था, परंतु अध्ययन बताता है कि क्षेत्र का उसी तरह के प्रभावों के फैलाव से ग्रस्त रहना जारी है। निराशाजनक रूप से, रिपोर्ट बताती है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पोषण के लिहाज से 37.07 करोड़ गरीब लोग मौजूद हैं जो वैश्विक स्तर पर कुपोषित जनसंख्या के आधे से ज्यादा है। भारत के अलावा पाकिस्तान में 82.8 प्रतिशत और बांग्लादेश में 66.1 फीसदी आबादी कुपोषित है। जबकि नेपाल में 76.4 फीसदी, श्रीलंका में 55.5 फीसदी और भूटान में 45.2 प्रतिशत जनसंख्या कुपोषण से ग्रस्त है। इस तरह से दक्षिण एशियाई क्षेत्र वैश्विक अल्पपोषित मानचित्र पर हावी है।

एफएओ की रिपोर्ट यह भी बताती है कि देश की 53 प्रतिशत महिलाओं में रक्ताल्पता की समस्या है, और पांच साल से कम आयु के 31.7 फीसदी बच्चों की हाइट उम्र के लिहाज से कम है, इसके साथ ही 18.7 प्रतिशत बच्चों का वजन तकनीकी तौर पर उनकी ऊंचाई के अनुरूप कम है। रोचक बात यह है कि यही अनुमान पूर्व में वैश्विक भूख सूचकांक (जीएचआई) में चिन्हित किये गये थे जिन्हें भारत ने यह कहकर नकार दिया था कि इनके लिए अपनाई गयी कार्यप्रणाली सही नहीं है। जबकि एफएओ का कहना है कि जब तक बढ़ रही आय का स्तर बढ़ रही खाद्य कीमतों के बराबर नहीं होता है, अस्वास्थ्यकर भोजन की प्रवृत्ति घटेगी नहीं।

जहां तक आय स्तर का संबंध है तो भारत की अधिकांश जनसंख्या लगातार उस स्तर पर है जो सब-सहारा अफ्रीका में मौजूद है। देश के एक अंग्रेजी दैनिक समाचारपत्र में 10 अगस्त, 2022 में प्रकाशित लेख 'फोकस ऑन द बेस ऑफ ए पिरामिड' में ये अनुमान था कि 90 करोड़ भारतीय उतनी ही आय में निर्वाह कर रहे थे जितनी आमदन सब सहारा अफ्रीका में है। इतने निम्न आय स्तर के साथ, जो अर्थव्यवस्था की वृद्धि के बावजूद जारी है, अस्वास्थ्यकर खुराक कायम रहेगी। इसे प्रमाणित करने के लिए, विश्व बैंक की हालिया गणना से मालूम हुआ कि ब्रिक्स देशों में, भारत की 91 प्रतिशत आबादी 280 रुपये रोजाना (4 डॉलर प्रतिदिन) से कम में जीवन यापन करती थी। यह वृद्धिमान अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम है, इतने ही आय स्तर पर 51 प्रतिशत आबादी के साथ दक्षिण अफ्रीका दूसरे स्थान पर आता था।

स्वास्थ्यकर खुराक प्राप्त करने को लेकर, जवाब यही है कि पिरामिड की सतह पर प्रचलित आय स्तर को बढ़ाया जाये। यह मुश्किल लगता है, और कुछ तो इसे असंभव ही कहेंगे, पर हकीकत में औसत आय स्तर को बढ़ाना कठिन नहीं है। मैंने अकसर कहा है कि चूंकि ग्रामीण परिवारों का करीब 70 फीसदी हिस्सा कृषि पर आश्रित है तो खेती को व्यवहार्य और लाभकारी उद्यम बनाने में ही इसका जवाब निहित है। कृषि क्षेत्र में कार्यरत जिस 47 फीसदी कार्यबल को व्यवहार्य आय स्तर से लगातार वंचित रखा जा रहा है, वे कभी पोषण से भरपूर आहार नहीं प्राप्त कर सकते हैं। कई अध्ययनों ने इंगित किया कि ग्रामीण मजदूरी जो किसी भी रूप में निम्नतम है, फिर से कम हुई या स्थिर रही। और जब गरीब परिवारों में आय कम होती है तो वे अपने द्वारा लिये जाने वाले भोजन में ही कटौती करते हैं।

महंगाई नियंत्रण के मकसद से कृषि क्षेत्र को जानबूझकर दरिद्र बनाये रखने के चलते मैक्रो इकनॉमिक नीतियों ने कृषि को व्यवहार्य विकल्प बनाने के प्रयासों को दबा दिया है। यह मुझे राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर एक त्रुटिपूर्ण ग्रंथ की याद दिलाता है जिसे नीति आयोग ने साल 2020 में देशभर में एक आम आदमी द्वारा भुगतान की जाने वाले भोजन (थाली) की लागत को मापने के मकसद से तैयार किया था। द ट्रिब्यून में 8 फरवरी, 2020 को प्रकाशित मेरे एक लेख 'थाली इकोनॉमिक्स गेट्स इट रॉन्ग' में मैंने व्याख्या की है कि कैसे थाली इकोनॉमिक्स, जैसा कि इसे कहा गया, केवल यह संदेश देने के लिए थी कि खाद्य कीमतें एक औसत आदमी की पहुंच में हैं। असल में, रिपोर्ट में यह बात चतुराई से छुपा ली गयी थी कि सस्ते खाद्यान्न उगाने के लिए किस तरह से किसानों को 'दंडित' किया जा रहा है।

देविंदर शर्मा

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल इंडिया मासिक आधार पर विश्लेषण करती है, और मैंने देखा कि फोर्ब्स इंडिया मैगज़ीन 'हाउ इंडिया ईट्स' शृंखला के तहत प्रकाशित करती है। कई दूसरे अखबार भी रिपोर्ट को नियमित तौर पर छापते हैं। सितंबर, 2023 के लिए विश्लेषण के मुताबिक, प्याज-टमाटर के दाम कम होने से औसतन एक शाकाहारी थाली की लागत 27.9 रुपये थी। यह लागत उससे 17 फीसदी कम थी जो एक माह पहले एक आम शहरी को घर पर भोजन तैयार करने में पड़ती थी। इसी तरह नॉन-वेजिटेरियन थाली की लागत आंकी गयी।

यह देखते हुए कि एफएओ के खाद्य और कृषि की स्थिति (एसओएफए) 2023 के मुताबिक खाद्य उत्पादन की वैश्विक लागत 12.7 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है, और भारत में छिपी हुई लागत 1.1 ट्रिलियन डॉलर मापी गई है, तो अब वक्त आ गया है कि क्रिसिल के मासिक अनुमानों पर रोक लगायी जाये। हर माह वेजिटेरियन और नॉन वेजिटेरियन थाली का चार्ट सामने लाकर असल में क्रिसिल सेहतमंद व खरे खाद्य पदार्थ पैदा करने की लागत को छुपा रही है। यह ध्यान में रखते हुए कि भारत में 74 फीसदी लोग स्वास्थ्यवर्द्धक भोजन का खर्च उठाने में समर्थ नहीं हैं तो क्रेडिट रेटिंग एजेंसी से व्याख्या करने के लिए जरूर कहना चाहिये कि यदि अस्वस्थ जनसंख्या का बढ़ना जारी है तो उसके द्वारा लागत को प्रदर्शित करने के प्रयास कितने प्रासंगिक हैं। किसी देश के लिए विकास का अंतिम मापक एक सेहतमंद राष्ट्र होना चाहिये।

पीड़ित से पूछ रहे साहब : विभाग ने निराकरण कर नही दी क्या जानकारी...

माही की गूंज, पेटलावद।

प्रदेश के नए मुखिया डॉक्टर मौहन यादव के आदेश पर एक बार भी जनपद स्तर पर जनसुनवाई कार्यक्रम शुरू हुवा और शासन की योजनाओं से लेकर कई परेशानियों को लेकर लोग इस उम्मीद से जनसुनवाई कार्यक्रम में आते ह की यहाँ से उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो जाएगा लेकिन यहां आने वाले आवेदन भी अधिकारी एक कागज का टुकड़ा बना कर छोड़ देता है ओर उसका निराकरण नही किया जाता ।

विकास खण्ड के एसडीएम साहब खुद अपने नेतत्व में जनसुनवाई कार्यक्रम हर मंगलवार को आयोजित कर शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारी को निर्देशित करते है बाद में इन शिकायतों का वही हाल होता है जो उस विभाग में की गई शिकायतों का होता है। मामला सीएम राइज स्कूल पेटलावद में हुई फर्जी भर्ती का है जब अतिथि शिक्षक पद के लिए बाली भारद्वाज नाम की महिला ने वर्ष 20-21 और 21-22 के लिए अतिथि शिक्षक पद के लिए आवेदन किया और उनका चयन नही हुआ । जिस महिला का चयन हुवा जब उसके द्वारा पद भर्ती हेतु प्रस्तुत दस्तावेजो कि जानकारी सूचना अधिकार में निकाली तो पता चला कि उक्त महिला एक ओर स्कूल में अतिथि शिक्षक के रूप में अन्य संस्था में कार्यरत थी और उसी दौरान नियमित रूप से बीएड की पढ़ाई भी कर रही हैं । पूरा मामला सामने आने के बाद शिकायतकर्ता बाली भारद्वाज द्वारा 03 .10.2023 को ईसकीं शिकायत जनसुनवाई में कर फर्जी भर्ती पर कार्यवाही की मांग और उक्त पद पर नियमानुसार भर्ती की मांग की थी ।

तिन माह में नही हुआ निराकरण ,महिला फिर पहुँची जनसुनवाई में

जनसुनवाई में तीन माह पूर्व शिकायत करने के बाद एसडीएम ने मामले की जाँच बीइओ आरके यादव को दी थी । जब महिला दोबारा इस शिकायत का हवाला देते हुवे आवेदन देने पहुँची तो शिकायत सुनने वाले एसडीएम साहब के पास कोई जबाब नही था। उल्टा शिक़ायतकर्ता से पूछने लगे कि आपकी शिकायत का निराकरण अभी तक नही हुवा क्या विभाग ने आपको जानकारी नही दी। मतलब अधिकारी जिस विभाग को जांच देते हैं उनके अधिनस्त अधिकारी जांच तक करके नही बताते ओर मामले अपने स्तर पर ही रफा दफा कर देते है। महिला की शिकायत के बाद जनसुनवाई की शिकायत की जांच एक बार फिर बीइओ आरके यादव को दी गई। इस सम्बंध में जब बीइओ साहब से जानकारी चाही गई तो उनका कहना है दो चार दिन में ही जाँच कर के अधिकारी को अवगत करा देंगे।

शिकायत सही तो होगा बड़ा खुलासा

अतिथि शिक्षक के पद के लिए प्रयासरत महिला

की शिकायत यदि सही पाई जाती है तो अथिति भर्ती में चल रहे बढे घोटाले का खुलासा हो सकता है । यहां तक कि बीएड ओर डीएड कॉलेजों की भूमिका पर भी प्रश्न चिन्ह खड़े हो सकते हैं जो नियमित भर्ती के नाम पर खाना पूर्ति कर तगड़ी फीस वसूल रहे हैं । कही न कही जन जाती कार्य विभाग तक पहुँचे इस मामले को इस हेराफेरी उजागर न हो इसलिए दबाया जा रहा है

हिट एंड रन के नए कानून पर बवाल, ड्राइवर एशोसिशन को हड़ताल से आवागमन ठप्प

बाप पार्टी और जयस भी उतरी समर्थन में

माही की गूंज , पेटलावद।

हिट एंड रन कानून पर हुवे संशोधन को लेकर वाहन चालक और परिचालन संघ में भारी आक्रोश देखा गया। उक्त कानून केंद सरकार ने सुधार कर राज्यसभा में पेश किया और पास होने के बाद इसका कड़ा विरोध शुरू हो गया। विरोध की हवा यहां तक पहुँची ओर स्थानीय ड्राइवर एसोशियन द्वारा एक जनवरी से हड़ताल पर उतरने का निर्णय लिया गया। ड्राइवरों के हड़ताल के कारण यातायात बुरी तरह प्रभावित हुवा ओर लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। जगह जगह वाहनों के रुकने से चक्काजाम की स्थिति बन गई। उक्त कानून के विरोध में उतरे ड्राइवरों को वाहन मालिकों सहित कई संगठनों का समर्थन मिला । भारत आदिवासी पार्टी के और से विधानसभा में प्रत्याशी रहे बालूसिंह गामड़ भी मंगलवार को ड्राइवरों की हड़ताल के समर्थन में पहुँचे । बाप पार्टी नेता बालूसिंह गामड़ ने कहा कि हिट एंड रन कानून में जो संसोधन केंद्र सरकार ने किए हैं उससे समस्त वाहन चालको को नुकसान है इस लिए केंद्र सरकार को इस काले कानून को वापस लेना चाहिए।

आश्वासन के बाद एक दिन पहले काम पर लोटे चालक

दो दिन तक जारी रही हड़ताल से यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई जिसके चलते केंद्र सरकार को इस पर अपना पक्ष रखना पड़ा । केंद्र सरकार की ओर से इस कानून को लेकर फिलहाल निर्णय नही होने और अभी लागू नही करने के आश्वासन के बाद चालक संघ ने हड़ताल खत्म कर काम पर लौटने ल निर्णय लिया। बुधवार को ज्यादातर बसे अपने समय पर शुरू कर दी हुई।

युवा लेखक आयुष्मान सिंह की पुस्तक द आरएसएस का हुआ लोकार्पण

वाराणसी।

राष्ट्र निर्माण में विगत सौ वर्षों से निष्ठापूर्ण सेवा कार्य में लगे महा स ं ग ठ न आर.एस.एस. के क्रिया कलापों, उसकी व्यापकता एवं दूरगामी प्रभावों का बहुत विस्तार से विश्लेषण करता युवा लेखक आयुष्मान सिंह एवं चिन्मय सक्सेना की पुस्तक ÷द आर.एस.एस.÷ का लोकार्पण शिक्षा जगत के उज्ज्वल नक्षत्र ब्रह्मलीन डॉ. राज सिंह के 83 वें जन्मदिवस के अवसर पर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल, कोइराजपुर वाराणसी के ज्ञानपीठ सभागार में किया गया।

इस लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता केन्दीय कैबिनेट मंत्री डा. महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने की, कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि एवं मुख्य वक्ता रमेश (प्रांत प्रचारक, कांशी प्रांत) थे। वरिष्ठ प्रचारक रामशीष जी समेत संघ के कई प्रमुख पदाधिकारी एवं विविध क्षेत्रों के गणमान्य जनों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम की भव्यता में चार चाँद लगा दिए। पुस्तक लोकार्पण के बाद केन्दीय मंत्री डा. महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने पुस्तक की अत्यंत सराहना करते हुए इसके हिन्दी संस्करण की आवश्यकता पर बल दिया एवं कहा कि ऐसी कृतियाँ जन सामान्य की भाषा में उन तक अवश्य पहुँचनी चाहिए। काशी प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश जी ने संघ की संम्पूर्ण यात्रा पर विस्तार से चर्चा करते हुए उसके विगत सौ वर्षों की गाथा को पुस्तक के रूप में महान उपलब्धि बताया एवं इसकी सफलता हेतु पुस्तक के लेखक आयुष्मान सिंह को ढ़ेरों बधाईयाँ एवं आशीर्वाद दिया। आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए आयुष्मान सिंह जी ने पुस्तक की भूमिका सबके समक्ष रखी। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए संस्था सचिव राहुल सिंह जी ने सभी आगंतुको का आभार प्रकट किया एवं पुस्तक की सफलता हेतु ढ़ेरों शुभकामनाएँ दी। संस्था की निदेशिका डा. वंदना सिंह जी एवं प्रधानाचार्या डा. नीलम सिंह जी ने इस तथ्य परक पुस्तक की सराहना करते हुए लेखकद्वय को अनेकानेक शुभकामनाएं प्रदान कीं।

ईओडब्ल्यू ने कृषि उपज मंडी के लेखापाल को 20 हज़ार की रिश्वत लेते पकड़ा

माही की गूंज, मंदसौर।

ईओडब्ल्यू उज्जैन की टीम ने मंदसौर कृषि उपजमंडी के लेखापाल हरीश कुमार वशिष्ठ को 20 हजार की लेते पकड़ा है। शिकायतकर्ता रवि राठौर ने एसपी ईओडब्ल्यू उज्जैन दिलीप सोनी को शिकायत की थी कि हमारी फर्म पारसलाल राठौर प्रोपाइटर वाल्मीकि कंस्ट्रक्शन का कृषि उपज मंडी में सब्ज़ी मंडी को साफ-सफाई का ठेका जून 2023 में मंडी द्वारा स्वीकृत था। टेंडर के अगेंस्ट कांट्रेक्टर के मासिक बिल पास नहीं करते हैं। आवेदक से 78 हजार रुपये की रिश्वत की मांग आरोपित द्वारा की गई थी। जनवरी को आवेदक से 20000 रुपये की रिश्वत की प्रथम किश्त की मांग की गई थी। इसके बाद ईओडब्ल्यू की टीम द्वारा आरोपित को दोपहर में रंगे हाथों पकड़ा गया।

20000 रुपये बरामद

रिश्वत की राशि 20000 रुपये बरामद की गई। मौके पर कार्रवाई की जा रही है। इसमें डीएसपी अजय कैथवास , डीएसपी अमित बट्टी एवं अन्य अधिकारी शामिल हैं।

नेशनल ताइक्वांडो टूर्नामेंट में कनिष्का ने किया अच्छा प्रदर्शन

बैतूल।

मध्य प्रदेश के बैतूल में चल रहे नेशनल स्कूल ताइक्वांडो टूर्नामेंट में एक ऐसी बच्ची ने सिल्वर मेडल जीता जो न बोल सकती है और न ही सुन सकती है। पांच मैचों में नॉर्मल खिलाड़ियों को चार मैच में हराया और फाइनल मैच में हारने से गोल्ड से चूक गई।

बैतूल में चल रहे 67वें नेशनल स्कूल ताइक्वांडो टूर्नामेंट में मध्य प्रदेश की टीम में भोपाल की कनिष्का शर्मा भी शामिल हैं। 15 वर्ष की कनिष्का जन्म से ही न बोल सकती हैं और न सुन सकती हैं। लेकिन उन्होंने अपनी दिव्यांगता को हराकर मंजिल की ओर कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं।

बचपन से ही सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग लेने का शौक अब अलग पहचान दिला रहा है। कनिष्का ने ताइक्वांडो की ट्रेनिंग ली। इस ट्रेनिंग में मुश्किलें तो आईं, क्योंकि न वो बोल सकती थी और न ही सुन सकती थी। सिखाने वालों के सामने भी चैलेंज था, पर कनिष्का की लगन ने उसे राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बना दिया। ताइक्वांडो में स्टेट लेवल पर पांच गोल्ड जीतने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर एक सिल्वर जीतने के बाद बैतूल में दूसरा सिल्वर जीता।

डेफ स्कूल में सातवीं कक्षा पढ़ने वाली 15 वर्ष की कनिष्का अंडर 68 वजन में 17 वर्ष आयु वर्ग के फीमेल खिलाड़ियों की मध्य प्रदेश की टीम में खेलती हैं। कनिष्का मध्यप्रदेश की स्पोर्ट्स एकेडमी में है और डेफ ओलंपिक की तैयारी कर रही हैं।

मंगलवार को कनिष्का ने बैतूल में चल रहे नेशनल स्कूल ताइक्वांडो टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल गुजरात की खिलाड़ी को हराया। सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल की राज रूपा को हराया और फाइनल में महाराष्ट्र की सिद्धि बेंडाले से हार गईं। कनिष्का ने सिल्वर जीत कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

रेप के आरोपी की कस्टडी में मौत, परिजनों ने पुलिस पर लगाए आरोप

राजगढ़ (ब्यावरा)।

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में रेप के आरोपी 23 वर्ष के एक युवक की पुलिस कस्टडी में मौत पर हंगामा खड़ा हो गया। मृतक युवक के परिजनों का आरोप है कि, पुलिस के युवक को जहर पिलाया है। आक्रोशित परिजनों ने इस मामले में प्रदर्शन किया और राजगढ़ हाईवे को ब्लॉक कर दिया। हालांकि, पुलिस ने मृतक युवक के परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों से पल्ला झाड़ते हुए अपनी सफाई दी है। पुलिस की तरफ से कहा गया है कि, आरोपी ने गिरफ्तार होने से पहले ही एलुमिनियम फास्फाइड पी लिया था। पुलिस ने उसे पहले राजगढ़ में और फिर भोपाल में बेहतरीन चिकित्सा मुहैया करा कर उसे बचाने की कोशिश की थी।

राजगढ़ के पुलिस अधीक्षक, धर्मराज मीणा ने कहा, आरोपी ने 20 नवंबर को एक नाबालिग लड़की का अपहरण किया था। लड़की को खिलचीपुर से अगवा कर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। लड़की के परिजनों ने स्थानीय थाने में लड़की को अगवा किए जाने को लेकर केस दर्ज करवाया था। पुलिस ने लड़की को ढूंढ निकाला और 28 दिसंबर को राजगढ़ से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस उसे थाने लेकर गई जहां उसे उल्टियां शुरू हो गईं।

एसपी ने कहा, इसके बाद उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया था और फिर उसे भोपाल रेफर कर दिया गया। 1 जनवरी को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिवार के सदस्य पुलिस टीम के साथ ही थे और उन्हें इन सभी बातों की जानकारी है लेकिन बाद में उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाना शुरू कर दिया।

मजिस्ट्रेट के सामने दिए गए अपने बयान में आरोपी ने कहा था कि, पुलिस ने उसे पकड़ा था और इसी वजह से घबरा कर उसने जहर खा लिया। आरोपी के मामा का कहना, मेरा भांजा लड़की के साथ जा रहा था और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वो अपने साथ जहर लेकर क्यों चलेगा। वो जहर कैसे पी सकता है.. उसे जहर कब मिल गया...? यह कस्टडी में हुई मौत का मामला और पुलिस वालों ने उसे जहर दिया। इस मामले में कड़ाई से जांच होनी चाहिए।

राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा लोकनृत्य दल

माही की गूंज, खरगोन।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग मप्र शासन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय युवा उत्सव आज बुधवार को भोपाल के रविंद्र भवन में संपन्न हुआ। जिसमें खरगोन के लोक नृत्य दल ने लोकनृत्य विधा में 10 संभागों को हराते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। आगामी 12 जनवरी से 16 जनवरी 2024 राष्ट्रीय युवा महोत्सव नासिक में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। लोक नृत्य दल के साथ संभाग दल प्रभारी के रूप में लीना श्रीवास, पंकज बर्डे व अनिता हिरवे उपस्थित रहे।

8 लेन पर हो रहे पथराव पर अंकुश लगाने के लिए एसपी श्री जैन ने ली बैठक

माही की गूंज थांदला।

आखिरकार आठ लेन मार्ग पर घटित हो रही पथराव पर रोक लगाने के लिये एसपी अगम जैन ने एक्शन मोड मे आकर एक्शन प्लान तैयार करने के लिये घटना से जुडे तथ्यो को समजने के लिये थाना परिसर मे बैठक आयोजित की। जिसमे एसपी अगम जैन ने आठ लेन मार्ग के आसपास कें गांवो के सरपंच, पटेल, तडवी व आमजनो से संवाद किया। एसपी जैन ने लोगो से पथराव की घटनाओ को रोकने के लिये स्थानीय लोगो से सहयोग की अपेक्षा करते हूए कहा कि, इस प्रकार की घटनाओ से हमारे क्षैत्र की बदनामी हो रही है। मार्ग से गुजरने वाले लोगो के मन में क्षेत्र के प्रति भय उत्पन्न हो रहा है जिसे दूर करने व घटनाओ को रोकने की जवाबदारी हम सभी की है इसलिये सभी मिलकर समस्या का समाधान करेगे। एसपी जैन ने लोगो से कहा जिसको भी पत्थर फेकने वालें की जानकारी हो पुलिस को बताये सुचना देने वालो के नाम गोपनीय रखा जावेगा। पुलिस मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज से पत्थर मारने वालो की पहचान कर उन्हे पकडकर कडी सजा देगी।

आठ लेन के आसपास के ग्राम टिमरवानी,मियाटी,कलदेला, भामल, कुकडीपाडा,नौगावा नगला,बेडावा क्षैत्र के लोगो ने आठ लेन कपंनी व राजमार्ग प्राधिकरण के खिलाफ रोष प्रकट किया। लोगो का कहना था कि सडक मार्ग बनते समय लोगो से वादा किया था मार्ग बनने के बाद लोगो को रोजगार दिया जायेगा और बाहर के लोगो को काम पर रखा जा रहा है हमारे यहॉ के लोग बेरोजगार घुम रहे है यहा के लोगो को काम पर रखने से पथराव करने वालो लोगो की पहचान आसानी से हो सकेगी। नगर के लोगेा ने एनएचआई और जेआर इन्फ्रा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाये, लोगो का कहना था कि कंपनी लोगो की जानमाल की सूरक्षा नही कर सकती तो मार्ग पर आवागमन बंद कर देना चाहिये। लोगो ने राजमार्ग के पेटोलिग वाहन के नही चलने तथा टोल फ्री नम्बर की सेवाओ के बारे मे भी शिकायत की।

एनएचआई टेक्निकल एडवायजर संदीप पाटीदार ने बताया कि, मार्ग के उपर से गुजरने वाले ओवरब्रिज पर लोहे की जालिया लगाने का प्रावधान किया जा रहा है। वही पेटोलिग वाहन के फैरे भी बडाये जायेगे। लोगो की सुरक्षा के लिये हर जरूरी कदम उठाये जा रहे है स्थानीय लोगो को रोजगार मे प्राथमिकता दी जायेगी। एसपी श्री जैन ने एनएचआई व जेआर इन्फ्रा के अधिकारीयो को भी अपनी कार्यप्रणाली मे सुधार लाने के निर्देष दिये है।

खाद्य एवं राजस्व विभाग के दल ने होटल, रेस्टोरेंट व ढाबों का किया निरीक्षण

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा के आदेशानुसार एसडीएम तरुण जैन के मार्गदर्शन में थांदला क्षेत्र में मंगलवार हाट बाजार के दिन खाद्य विभाग एवं राजस्व विभाग के संयुक्त दल द्वारा व्यावसायिक प्रतिष्ठानो कां ओचक निरीक्षण किया गया।

थांदला-पेटलावद रोड पर स्थित प्रेम ढाबा एवं रेस्टोरेंट, न्यू देवराज होटल पर व्यावसायिक प्रवर्ग के गैस सिलेंडरों का उपयोग करना पाया गया। इसी प्रकार निरीक्षण में पेटलावद रोड स्थित मारुति होटल से घरेलू प्रवर्ग के गैस सिलेंडरों का व्यवसायिक उपयोग पाएजाने से दो सिलेंडरों को मौके से जप्त किया जाकर प्रकरण बनाया गया है।

नायब तहसीलदार पल्केश परमार एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी थांदला सुरेश तोमर जांच करवाई में उपस्थित रहे।

संपादकीय

हड़ताल से उपजे सवाल

हाल ही में आपराधिक मामलों में भारतीय न्याय संहिता के तहत लाए गए बदलाव से क्षुब्ध ट्रक चालकों की हड़ताल से जनजीवन पर खासा प्रतिकूल असर पड़ा है। खासकर हड़ताल के चलते पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल की आपूर्ति न हो पाने से कई-कई किलोमीटर लंबी कतारें देखी गई। अन्य स्थानों पर फल-सब्जी व दूध की आपूर्ति भी बाधित हुई। बहरहाल, लोग हैरत में थे कि, देश में सामान्य स्थिति होने के बावजूद पेट्रोल पंपों पर ये मारामारी क्यों है। दरअसल, हाल में संसद से पारित भारतीय न्याय संहिता में हिट एंड रन मामलों में चालकों को सख्त सजा के प्रावधान से ट्रक ड्राइवर ही नहीं बस व टैक्सी चालक भी खासे क्षुब्ध हैं। दरअसल, देश में हर वर्ष होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में करीब डेढ़ लाख लोग मारे जाते हैं और पांच लाख के आसपास घायल होते हैं। ज्यादातर घटनाओं में बड़े वाहन चालकों पर लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप लगते रहे हैं। दरअसल, कानून में नए बदलावों में हिट एंड रन केस में पुलिस-प्रशासन को दुर्घटना की सूचना न देने पर दस वर्ष की कैद और 7 लाख रुपए जुर्माने का प्रावधान है। अब तक हिट एवं रन मामले में ट्रक या डंपर से किसी व्यक्ति की मौत होने पर दो वर्ष की सजा का प्रावधान था और चालकों को जमानत भी मिल जाती थी। निःसंदेह, सड़क पर चलने वाले हर व्यक्ति को किसी हादसे से सुरक्षा और उसे न्याय भी मिलना चाहिए। इसी मकसद से लाए गए कानून को लेकर चालक असुरक्षाबोध से घिर गए। हालांकि, कानून अभी लागू नहीं हुआ है लेकिन चालक भयभीत हैं। उन्हें लगता है कि, सख्त प्रावधानों के लागू होने पर वे वाहन नहीं चला पाएंगे। जिसके चलते विभिन्न संगठनों ने देश की अर्थव्यवस्था को ठप करने के लिए दबाव बनाया। जिसका असर पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश व महाराष्ट्र आदि पर साफ नजर आया।

दरअसल, गरीब पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाले ट्रक-बस चालकों को लगता है कि सजा ज्यादा कड़ी है और किसी हादसे की स्थिति में वे इतना जुर्माना देने की स्थिति में नहीं होंगे। ट्रांसपोर्टरों के बड़े संगठन ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने दावा किया कि 65 फीसदी भारी वाहन हड़ताल में शामिल रहे। जिसके चलते सैकड़ों करोड़ रुपए का नुकसान होने की आशंका है। आशंका जतायी जाती रही है कि, यदि हड़ताल का समय बढ़ता है तो कई भागों में पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति में बाधा के साथ ही दूध, फल-सब्जी आदि के दाम बढ़ सकते हैं। यही वजह है कि देश के तमाम पेट्रोल पंपों पर अफरातफरी का माहौल रहा। साथ ही कई जगह टैक्सी चालकों के हड़ताल में शामिल होने से यात्री परेशान रहे। जिससे पीक सीजन में पर्यटन स्थलों में कारोबार प्रभावित हुआ है। निःसंदेह, राहगीरों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और इसी नजरिए से कानूनों में बदलाव किया गया, लेकिन ट्रक चालकों की वास्तविक समस्या को भी संवेदनशील ढंग से संबोधित किए जाने की जरूरत थी। ट्रक चालकों का कहना है कि, आठ-दस हजार की नौकरी में वे इतना बड़ा जुर्माना कैसे भरेंगे। यदि उनकी सात-आठ लाख देने की कूवत होती तो वे ट्रक क्यों चलाते। ऐसे में यदि वे दस वर्ष के लिए जेल जाएंगे, तो उनके परिजनों का क्या होगा...? चालक आशंका जताते हैं कि यदि वे दुर्घटना होने पर सूचना देने के लिये रुक जाते हैं तो उन्हें भीड़ की हिंसा का शिकार होना पड़ेगा। उनकी दलील है कि, अकसर भीड़ घायल को बचाने की बजाए चालक को मारने पर उतारू हो जाती है और कई बार उनके वाहनों को आग लगा दी जाती है। ट्रांसपोर्टर दलील देते हैं कि दुर्घटना होने पर कैमरों व टोल-नाकों की मदद ली जानी चाहिए। उनका मानना है कि ऐसे प्रयास हों कि यात्री भी सुरक्षित रहें और चालक भी आतंकित न हों। बहरहाल, ट्रक चालकों का जीवन स्तर सुधारने, उन्हें पुलिस की वसूली से बचाने और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं देने की जरूरत है ताकि वे भी समाज में सम्मानजनक ढंग से जी सकें। वैसे देर रात ट्रांसपोर्ट डीलर एसोसिएशन का कहना था कि सरकार द्वारा नए कानून को अभी लागू न करने के आश्वासन देने पर सकारात्मक प्रतिसाद दिया जाएगा।

बेटी बचाओ : दावे और हक़ीकत

बेटी बचाओः दावे और हक़ीक़त

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में सितंबर 2023 में एक जनसभा को संबोधित करते हुये राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने राज्य की क़ानून व्यवस्था की तारीफ़ करते हुए कहा था कि, क़ानून संरक्षण के लिए है. लेकिन क़ानून को बंधक बनाकर व्यवस्था में सेंध लगाने का प्रयास करने की इजाज़त किसी को नहीं है। क़ानून सुरक्षा के लिए है, लेकिन यदि किसी ने बहन-बेटी के साथ छेड़खानी की तो अगले चौराहे पर उस शोहदे का इंतज़ार, यमराज कर रहे होंगे। उसे यमराज के यहां भेजने से कोई रोक नहीं पाएगा। हमें सुरक्षा का बेहतरीन वातावरण देना होगा. क़ानून संरक्षण के लिए है और क़ानून को बंधक बनाकर कोई किसी की सुरक्षा पर सेंध लगाने का प्रयास नहीं करे। परन्तु इसी योगीराज में ही ऐसी कई घटनायें उजागर हो चुकी हैं जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उपरोक्त दावों पर सवाल खड़ा करती हैं। इनमें सबसे संसनीखेज़ घटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में स्थित वाराणसी के आईआईटी बीएचयू कैंपस की है जिसमें आरोपी तीनों युवक भाजपा आईटी सेल के पदाधिकारी हैं।

बताया जा रहा है कि दो माह पूर्व यानी एक नवंबर की रात मोटर बाइक पर सवार तीन गुण्डे आईआईटी बीएचयू कैंपस में आये। वहां उन्हें इंजीनियरिंग की बी टेक की एक छात्रा टहलती हुई दिखाई दी। यह गुण्डे उस छात्रा को बलपूर्वक पकड़कर किसी सन्नाटी जगह पर ले गये। तीनों ने मिलकर जबरन उसे निःवस्त्र किया। उसकी नग्नावस्था की वीडिओ बनाई। फिर बारी बारी तीनों ने उसके साथ बलात्कार किया और बलात्कार की भी वीडियो बनाते रहे। कुणाल पांडेय,आनंद व सक्षम पटेल नामक यह तीनों गुंडे बलात्कारी भारतीय जनता पार्टी की आई टी सेल के पदाधिकारी हैं। बताया जा रहा है कि यह तीनों ही नियमित रूप से आर एस एस की शाखा में भी जाया करते थे। अर्थात संघ से संस्कारित थे। ख़बरों के अनुसार गैंगरेप पीड़िता ने पुलिस को सूचित करने के बाद घटना के 5 दिन के भीतर ही सीसीटीवी के माध्यम से बनारस पुलिस के समक्ष इन तीनों अपराधियों की शिनाख़ूत बिल्कुल स्पष्ट रूप से कर ली थी। परन्तु उस समय देश के पांच राज्यों में चुनाव का वातावरण था। तो क्या इसी कारण इतनी गंभीर घटना को साज़िश के तहत दबा कर रखा गया ? इतना ही नहीं बल्कि इतने गंभीर सामूहिक बलात्कार के अपराध में शिनाख़ूत हो जाने के बावजूद और इनके नाम व चेहरे सब कुछ पता लगने के बावजूद इन्हीं बलात्कारी गुण्डों की मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की ओर से चुनाव प्रचार की ड्यूटी लगाई गयी। और यह मध्य प्रदेश में भाजपा का चुनाव प्रचार करते रहे। कहा जा रहा है कि इस मामले को सरकार ने जानबूझकर एक साज़िश के तहत दबा कर रखा। क़रीब दो महीने तक इस मामले में पुलिस ने न कोई बयान दिया ना ही किसी का नाम उजागर हुआ न किसी की गिरफ़्तारी की गयी। बजाये इसके पूरी स्वतंत्रता से चुनाव में इन लोगों को भाजपा का प्रचार भी करने दिया गया। भाजपा के आईटी सेल के पदाधिकारी होने के नाते मध्य प्रदेश चुनाव प्रचार में यह भाजपा प्रत्याशियों के लिये अहम भूमिका अदा कर रहे थे।

ख़बरों के अनुसार वाराणसी पुलिस ने इन गुंडों को पिछले दिनों नववर्ष के अवसर पर देर रात आवारागर्दी करने के दौरान गिरफ़्तार किया तब इन्होंने अपने इस जुर्म को भी स्वीकार किया। इसके बाद इनसे की गयी पूछताछ के बाद पुलिस ने इनके विषय में जो दावा किया वह भी हैरान करने वाला था। पुलिस ने पूछताछ के बाद यह दावा किया कि तीनों अपराधियों ने यह स्वीकार किया है कि वे रात में शहर में युवतियों से छेड़खानी करने के आदी थे। गोया इसी तरह पहले भी यह कई लड़कियों की इस्मत व आबरू से खिलवाड़ कर चुके थे। परन्तु आईआईटी की वारदात के बाद लड़की की शिकायत के कारण दुष्कर्म की उनकी यह करतूत पहली बार सार्वजनिक रूप से उजागर हुई । पुलिस के अनुसार वारदात के रोज़ भी यह तीनों अपनी बाइक पर सवार होकर कई अलग अलग जगहों पर शिकार बनाने की ग़रज़ से किसी भी युवती की तलाश करते घूम रहे थे। इसी सिलसिले में वे तीनों पहले चेतगंज में सिगरा की ओर गए थे। सिगरा में तीनों ने लगभग 10 मिनट तक वहां शहीद उद्यान का कोना-कोना देखा। जब वहां कोई युवती नहीं मिली तो तीनों चेतगंज पहुंचे। चेतगंज में भी जब इन्हें कोई शिकार नज़र नहीं आया तब यह तीनों संस्कारी बेनिया होते हुए गिरजाघर की ओर गये । बेनिया पार्क के अंदर भी तीनों गए परन्तु वहाँ भी इन्हें कोई युवती नज़र नहीं आयी । फिर अंत में यह तीनों गिरजाघर,अस्सी और लंका होते हुए बीएचयू में प्रवेश कर गये जहां बी टेक की यह बदनसीब छात्रा इनहें दिखाई दे गयी। जिसपर यह भेड़िये की तरह टूट पड़े। ख़बर है कि सामूहिक दुष्कर्म के मामले में गिरफ़्तार इन तीनों भाजपा नेताओं के विरुद्ध वाराणसी के लंका थाने की पुलिस एक सप्ताह में अदालत में चार्जशीट दाख़िल करने की तैयारी में है। तीनों अपराधियों के पास से बरामद मोबाइल की जांच और डेटा रिकवरी के लिए फ़ोरेंसिक लैब भेजा गया है। पुलिस का दावा है कि तीनों के ख़िलाफ़ सर्विलांस और सीसी फ़ुटेज सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त इतने पर्याप्त वैज्ञानिक साक्ष्य हैं कि उन्हें अदालत से कठोर सज़ा ज़रूर मिलेगी। प्राप्त समाचारों के अनुसार पुलिस तीनों बलात्कारियों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई करेगी जिसकी तैयारी शुरू की जा चुकी है।

निर्मल रानी

यह पहला मौक़ा नहीं है जब तथाकथित संस्कारित लोग इस तरह के घिनौने कृत्य में शामिल पाए गये हों। सितम्बर 2022 में पौड़ी ज़िले के अंकिता हत्याकांड को याद कीजिये। यहाँ स्थित यमकेश्वर क्षेत्र के एक रिसॉर्ट से 19 साल की लड़की अंकिता भंडारी लापता हो गई थी जिसकी हत्या के बाद उसका शव चीला नहर में फेंक दिया गया था। पुलिस ने इस हत्याकांड में मुख्य आरोपी रिसॉर्ट मालिक पुलकित आर्य को गिरफ़्तार किया था। पुलकित हरिद्वार के वरिष्ठ भाजपा नेता विनोद आर्य का बेटा है। और भी देश के अनेक काण्ड जैसे जम्मू कश्मीर के कठुआ में बकरवाल समुदाय की आठ साल की बच्ची आसिफ़ा से बर्बर गैंगरेप और इसके बाद इसमें शामिल बलात्कारियों को बचने के लिये इन्हीं बेटी बचाओ के झण्डा बरदारों द्वारा निकाली जाने वाली बेशर्मी पूर्ण तिरंगा, गुजरात का बिल्क़ीस बानो सामूहिक बलात्कार व हत्या काण्ड और इसमें सज़ा पाये हत्यारों व बलात्कारियों का समय पूर्व रिहा होना और रिहा होने पर इन्हीं बलात्कारियों का स्वागत करना जैसे अनेक उदाहरण हैं जो इन संस्कारियों की सच्चाई को बयान करते हैं। ऐसी घटनायें इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये भी काफ़ी है कि सत्ताधीशों के बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ के दावों और इसकी हक़ीक़त में कितना अंतर है।

पुराने ही बवाल, बस ओढ़न है नया साल

पुराने ही बवाल, बस ओढ़न है नया साल

नया साल आ गया है। हो सकता है कि बवाल पुराने ही रह गये हों। जी हर बार यही होता है। नये साल में बवाल पुराने ही आ जाते हैं। कुछ महीनों बाद लू-लपट फिर हर साल का बाढ़ महोत्सव वो सब फिर आयेगा। तो सबसे पहली बात यह है कि साल नया आने से पुराने बवाल अपने आप खत्म न हो जाते। बवाल तो खत्म अपने कर्मों से ही होते हैं। सो साहबो कर्म जारी रखें।

कर्म तो जारी रखेंगे नेतागण भी। नेता उतना ही झूठ बोलेंगे, जितना 2023 में बोल रहे थे। प्याज उतने ही महंगे हो सकते हैं जितने महंगे 2023 में हुए थे। आईपीएल होगा, डांस होगा। चुनाव होंगे, झूठ होंगे। ईवीएम खराब घोषित की जायेगी। नैतिक जीत होगी, असली हार होगी। बार-बार होगी। पाकिस्तानी कर्ज मांगेंगे। बहुत कुछ वैसे ही चलेगा, जैसे अब तक चलता आ रहा था।

बहुत कुछ न हो 2024 में, यह कामना, पॉलिटिक्स में झूठे-नंगे कम हों, दंगे भी कम हों। पॉलिटिक्स में झूठ कम हो जायें, यह कामना वैसे बहुत ही अव्यावहारिक है। पॉलिटिक्स जो करेगा वह सच क्यों बोलेगा। और जिसे सच का कारोबार करना है, वह पॉलिटिक्स में क्या करेगा।

वर्ष 2023 में कुछ बातें कमाल की हो गयीं। अफगानिस्तान के तालिबान उतने बवाली साबित न हुए, जितनी आशंका हो रही थी। तालिबान मारधाड़ कम रहे हैं, पाकिस्तानी अलबत्ता वैसे के वैसे हैं, जैसे पहले थे। पाकिस्तानी आतंकी लगातार वही कर रहे हैं, जो पहले कर रहे थे। महाराष्ट्र में मार शुरू हो गयी है कि कौन-सी पार्टी कितनी सीटों पर लड़ेगी। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और महाराष्ट्र कांग्रेस के बीच खटपट शुरू हो गयी है, सबको ज्यादा सीटें चाहिए। हाल में, शरद पवार की पार्टी बंट गयी, शरद पवार के भतीजे अजित पवार चाचा की पार्टी को तोड़कर ले गये। पार्टी तोड़ो अभियान में सिर्फ भतीजे ही नहीं लगे, जो भतीजे नहीं थे, उन्होंने भी मारकाट मचायी। उद्धव ठाकरे की पार्टी का एक हिस्सा शिंदे अपने साथ ले गये। यानी भतीजा हो या नान भतीजा, सबसे सावधान रहना चाहिए।

आलोक पुराणिक

पॉलिटिक्स में कोई किसी का नहीं है यह बात सिर्फ 2023 में साफ नहीं हुई। करीब चार सौ साल पहले औरंगजेब अपने बाप के न हुए, करीब ढाई हजार पहले बिंबसार नाम के राजा के बेटे अपने बाप के ना हुए। सच्चाई सिर्फ इतनी है कि कोई किसी का नहीं है, सब कुर्सी के ही हैं और कुर्सी किसी की नहीं है। यह बात ज्ञान की है, पर समझ नहीं आती।

प्राथमिकता से हो खाद्य मुद्रास्फीति का नियंत्रण

अब जबकि अगले साल आम चुनाव होने को हैं तो हम राजनीतिक मंतव्य से प्रेरित आर्थिक नीतियां देखने को तैयार रहें, यहां तक कि सामान्य से कहीं अलहदा। सरकार ने पहले ही संकेत दे दिया है कि आगामी केंद्रीय बजट में कुछ नया शामिल करने का इरादा नहीं है। लिहाजा जो भी सरकार सत्ता में आएगी, उसकी नई नीतियां बनने तक मौजूदा यथास्थिति बनी रहेगी।

एक बार नई सरकार अपनी जगह बैठ गई तो ध्यान का केंद्र चुनाव प्रचार अवधि के दौरान मुफ्त की रेवड़ियों के वादे की एवज में जन-आकांक्षाओं को पहुंचे नुकसान की भरपाई करने पर होगा। इसलिए, जायजा लिया जाए तो चुनाव उपरांत ही वित्तीय लेखा-जोखा दुरुस्त करके, उत्तरदायी सामान्य प्रशासन बनाकर, आर्थिक नीतियों को स्वरूप मिल पाएगा। अतएव, अप्रैल माह तक माहौल मौज-मस्ती का रहेगा और जून के बाद 'गंभीरता से काम पर पुनः लगने' वाला चरण शुरू होगा।

जैसे-जैसे नया साल आगे बढ़ेगा, यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई जारी रहने और इससे वैश्विक व्यापार में आगे भी अस्थिरता बनी रहेगी। हालांकि, उम्मीद जगाती खबरों की मानें तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अब शांति वार्ता को राजी हैं और शायद प्रयास फलदायक रहें। लेकिन पूरी संभावना है कि रूस कब्जाए इलाके के कुछ हिस्से अपने पास रखना चाहेगा जिस पर शायद वोल्दोमीर जेलेंस्की के नेतृत्व वाले यूक्रेन की प्रतिक्रिया यह होगी 'यह हमारी लाशों पर संभव है'। इसलिए, अब समझदारी यही अंदाज़ा लगाने में है कि लड़ाई जारी रहेगी। वहीं इस्राइल-हमास के बीच भी जंग खत्म होने के आसार फिलहाल क्षीण लगते हैं।

लिहाजा हमें, जारी युद्ध प्रभावित वैश्विक व्यापार और वैश्वीकरण को क्षति भरा एक और साल बिताने की तैयारी करने की जरूरत है। इसके अलावा, एक अन्य खतरा तेजी से उभर रहा है, यमन के हुती विद्रोही लाल सागर से गुजरने वाले समुद्री जहाज़ों को निशाना बना रहे हैं, जिससे उन्हें अफ्रीका वाला लंबा रास्ता अपनाना पड़ रहा है। नतीजतन न केवल अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों तक माल पहुंचाने के समय में बल्कि ढुलाई खर्च में भी इजाफा हो रहा है। पूरी संभावना है कि वैश्विक समुद्री आवाजाही में विघ्न से भारतीय आयात (विशेषकर तेल जैसी आवश्यक वस्तु) एवं निर्यात पर नए सिरे से वित्तीय बोझ पड़ेगा। इन परिस्थितियों के तहत, नई सरकार को 'बंद अर्थव्यवस्था' (आयात-निर्यात रहित) चलाने की योजना पर सोचना होगा, अलबत्ता, इससे उच्च आर्थिक दर पाने की हमारी आकांक्षा को धक्का लगेगा।

इन सबके साथ, अगले साल की आर्थिक नीति को पर्यावरणीय परिवर्तनों के परिणामवश अतिशयी मौसमीय घटनाओं का सामना करने को योजना तैयार रखनी होगी। अतएव, यही वक्त है जब केंद्र सरकार चेन्नई और हैदराबाद में आई अचानक बाढ़ सरीखे ऊंचे दर्जे की प्राकृतिक मार झेलने वाले राज्यों की शीघ्रातिशीघ्र मदद के वास्ते एक विशेष फंड बनाए। किसी सूबे को बाढ़ या सूखे का सामना करने पर, आर्थिकी को बहुत नुकसान झेलना पड़ता है और सहायतार्थ केंद्र सरकार से लगातार गुहार लगानी पड़ती है। इस पर आकलन और प्रतिक्रिया करने में केंद्र सरकार को समय लगता है। लिहाजा अतिशयी मौसमी घटनाओं के लिए बना विशेष सहायता-फंड बीमा पॉलिसी सरीखा होगा, जिसे पाने की नियम और शर्तें पूर्वनिर्धारित हों ताकि पावती में कीमती वक्त और स्रोत खराब न होने पाए।

इन तमाम नकारात्मकताओं के बीच, अच्छी खबर यह है कि नया साल 2023 की सकारात्मक आर्थिक विरासत के साथ शुरू होगा। भारत की आर्थिक विकास दर 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक रहने की उम्मीद है, मुद्रास्फीति कुल मिलाकर काबू में है, विदेशी मुद्रा भंडार काफी ऊंचा है और मुद्रा-विनिमय दर स्थिर है। बहुस्तरीय एंजेसियों और वैश्विक विशेषकों का कहना है कि विश्व की मुख्य आर्थिक शक्तियों में भारत सबसे ज्यादा तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। व्यापारिक मोर्चे पर, वस्तु निर्यात की कारगुजारी आगे भी अनुमान के अनुरूप कमज़ोर बनी रहेंगी लेकिन आयातदृनिर्यात संतुलन में अंतर की क्षतिपूर्ति सेवा निर्यात (विशेषकर सॉफ्टवेयर का), भारतीय आप्रवासियों से भेजे जाने वाले धन और विदेशी पूंजी प्रवाह से हो सकेगी।

फिलहाल, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अगले लगभग 18 महीनों तक आयात करने के बराबर है। यह स्थिति पड़ोसी मुल्कों पाकिस्तान और श्रीलंका के मुकाबले कहीं बेहतर है।

आइए अब मुद्रास्फीति के मुख्य कारकों पर निगाह डालें। यह 5.5 फीसदी के साथ नियंत्रण में है, जो कि वहनीय स्तर यानी 6 प्रतिशत से कुछ ही नीचे है। लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति (8.7 फीसदी) उच्च बनी हुई है, जो कि देश के गरीब तबके के लिए बुरी खबर है और उनमें अधिकांश पहले ही अतिरिक्त बोझ सहने लायक नहीं बचे, तिस पर बाढ़ अथवा सूखे से खेती प्रभावित होने का खतरा मंडरा रहा है। देश की लगभग आधी आबादी (47 फीसदी) का व्यवसाय कृषि है और इसकी आय का लगभग आधा (54 फीसदी) पेट भरने के इंतजाम में खप जाता है। इस स्थिति का आदर्श हल कृषि उत्पादन में वृद्धि करना है ताकि उतनी फसल कम हाथों के इस्तेमाल से उग पाए, जिससे कि उनकी आय में बढ़ोतरी हो। कार्यबल में महिलाओं की गिनती बढ़ानी चाहिए ताकि वे बच्चे पालने और घर संभालने के काम से इतर रोजगार में लगें, जिससे उनकी आय बढ़े, जबकि छोटे ग्रामीण परिवारों में घर-गृहस्थी की देखभाल करने वाली औरतों को अपने इस काम के बदले कोई औपचारिक कमाई नहीं होती।

वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार कुल कार्यबल में मर्दों का अंश 74 प्रतिशत है, जो कि महिलाओं के 24 फीसदी से तिगुणा है। यदि देश में कृषि के लिए हाथों की जरूरत कम करनी है तो इसके लिए उत्पादन और सेवा क्षेत्र में अधिक नौकरियां पैदा करनी पड़ेंगी। उच्च कृषि उत्पादन सदका ग्रामीण आय में बढ़ोतरी होने से ग्रामीण अंचल के लोग अधिक उपभोक्ता वस्तुएं जैसे कि दोपहिया वाहन, टीवी सेट और मोबाइल फोन इत्यादि खरीद पाएंगे, जिससे संलग्न सेवा क्षेत्र में भी ज्यादा मांग पैदा होगी। इस प्राप्ति से ग्रामीण सेवा क्षेत्र में अपने-आप ज्यादा रोजगार अवसर पैदा होंगे।

सुबीर रॉय

जहां तक उत्पादन क्षेत्र में नौकरियों की बात है, तेज आर्थिक वृद्धि के साथ उनकी गिनती भी बढ़ेगी, लेकिन इस प्रक्रिया में सहायता तभी मिल पाएगी जब तमाम किस्म के धंधेदृ चाहे लघु एवं सूक्ष्म स्तर के हों या कॉर्पोरेट्स स्तर केदृ उन्हें खोलने-चलाने की प्रक्रिया का सरलीकरण हो। साथ ही, कारोबार के लिए वाजिब ब्याज दर पर पूंजी उपलब्ध हो ताकि कारोबारी अपना दायरा बढ़ाने लायक बन पाए (इसके लिए अधिक कार्यकारी पूंजी चाहिए होती है) और नया पूंजीगत निवेश कर पाएं। वहनयोग्य दर पर पूंजी तक पहुंच सुनिश्चित करने को, वास्तविक ब्याज दर को नीचा रखना आवश्यक है (मुद्रास्फीति घटाने के बाद मामूली दर)। इस ध्येय की पूर्ति मुद्रास्फीति के असर को दूर रखकर पाई जा सकेगी और मौजूदा वर्ष के लिए इससे बड़ी चुनौती है खाद्य मुद्रास्फीति दर में कमी लाना। जो भी नई सरकार आएगी, उसके समक्ष दो आर्थिक काम करने को होंगे, एक है कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी और दूसरा, आय सहित रोजगार में महिलाओं के लिए अवसरों में इजाफा करवाना। हालांकि, यह दोनों काम देश की दीर्घ-कालीन कार्यसूची का अंग हैं परंतु मौजूदा साल के लिए, यथेष्ट योजना के साथ इन पर फौरी काम शुरू करने पर ध्यान देना होगा।

मरीजों को वितरित कर दिए एक्सपायरी डेट के बिस्किट

माही की गूंज, शाजापुर।

जिला अस्पताल से एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने जर्जर स्वास्थ्य को बेनकाब कर दिया। मध्य प्रदेश में घटिया स्वास्थ्य सेवाओं के आरोप फिर से सामने आ गए हैं। अस्पताल प्रबंधन ने मरीजों को उनके नाश्ते में एक्सपायर्ड बिस्किट बांटे, जिससे मरीजों के रिश्तेदारों में चिंता फैल गई और अस्पताल में हंगामा मच गया। इस घटना से अस्पताल के प्रबंधन और अधिकारियों की चूक का पता चला। इसके कारण सामान्य वार्ड और आईसीयू दोनों में मरीज प्रभावित हुए।

आमतौर पर, अस्पताल अपने मरीजों को नाश्ते सहित उनकी खाने संबंधी आवश्यकताओं के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार है। बता दें कि, जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को रोज नाश्ता दिया जाता है। मरीजों को दूध के साथ जो बिस्कुट बाटे गए वह 10 दिन पहले ही एक्सपायर हो गए थे। आईसीयू में भर्ती मरीज और उसके परिजनों ने जब यहां बिस्कुट देखा तो उन्होंने विरोध किया।

उन्होंने बताया कि, यह बिस्किट की एक्सपायरी डेट 10 दिन पहले ही खत्म हो चुकी है ऐसे में अस्पताल में यह बिस्किट 10 दिनों से बाटे जा रहे हैं।मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। एक्सपायरी डेट के बिस्किट खिलाने से जो मैरिज जिला चिकित्सालय में इलाज करवाने के लिए आए हैं वह और भी बीमार हो जाएंगे इसकी जवाबदारी कौन लेगा

क्या कहा डॉक्टर्स ने...?

वहीं, जब मीडिया ने आईसीयू में भर्ती मरीज रामदास से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि, यह बिस्किट एक्सपायर हो चुका है और यह बिस्किट हमको खाने के लिए दिए जा रहे हैं। इस मामले में अस्पताल के डॉक्टर बीएस मेना सिविल सर्जन से कहा कि, हमारे यहां पारले-जी बिस्किट आते हैं। जो बिस्किट बांटे गए हैं यह हमारे यहां के बिस्किट नहीं है। उन्होंने कहा कि, ये बिस्किट कहां से आए और किसने बांटे मालूम नहीं।

लोकसभा चुनाव में सिर्फ टिकट की लड़ाई, जीत निश्चित

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

विधानसभा चुनाव के बाद राजनेतिक पार्टिया लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट चुकी हैं और प्रत्याक्षी खोजना शुरू भी कर दिए साथ ही हार जीत का गणित लगाने में लगें है। इसी गणित के साथ मंदसौर-नीमच लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी में सिर्फ़ टिकिट की लड़ाई है। चुनाव में इस सीट से भाजपा का जितना लगभग तय माना जा रहा है।

नीमच-मन्दसौर लोकसभा में 8 विधानसभा आती हैं। गरोठ, सुवासरा, मल्हारगढ़,मंदसौर, नीमच, जवाद, मनासा, जावरा, 2023 के विधानसभा में 8 सीटो पर मिला कर 15 लाख 47 हजार 281 मतदाता ने मतदान किया था, जिसमे से 8 लाख 409 वोट भाजपा प्रत्याक्षी को मिले और 8 में से 7 सीट भाजपा के खाते में गई। वही कांग्रेस के खाते में 6 लाख 8 हजार 692 वोट पड़े, एक लाख 38 हजार 180 मतदाता ने अन्य या नोटा को अपना मत दिया। कांग्रेस और अन्य के वोटो को मिलाने के बाद भी लगभग 50 हजार से ज्यादा लोगों ने भाजपा को मतदान किया है। इसी गणित के साथ पीएम के चेहरे पर मिलने वाले वोट का भी टिकिट के दावेदार अनुमान लगा रहे है और अपनी जीत तय मान रहे है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की भारी हार के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता के हौसले भी कहीं न कहीं परास्त नज़र आ रहे हैं। वही पूरे सांसदीय क्षेत्र में ऐसा कोई नेता नहीं हैं जो कार्यकर्ता को वापस सफ़लता के मंत्र के साथ सक्रीय कर सके। ऐसे अनेकों कारण को लेकर भाजपा की जीत निश्चित नज़र आ रही है। जिसके कारण क्षेत्र में दावेदारों की संख्या भी बढ़ती ही जा रही हैं।

कलेक्टर ने पूछी 'औकात' सीएम ने कर दी 'कार्रवाई'

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले में ट्रक डाइवर्स से जुड़ी घटना को लेकर मध्य प्रदेश सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाजापुर कलेक्टर किशोर कन्याल को हटा दिया है। ड्राइवर से 'औकात' पूछने वाले बयान को लेकर जिलाधिकारी के खिलाफ यह एक्शन लिया गया है। किशोर कन्याल की जगह अब सरकार ने नरसिंहपुर कलेक्टर ऋजु बाफना को शाजापुर का नया कलेक्टर बनाया है।

इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा, यह सरकार गरीबों की सरकार है। सबके काम का सम्मान होना चाहिए और भाव का भी सम्मान होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम गरीबों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। हम लगातार गरीबों की सेवा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, मनुष्यता के नाते ऐसी भाषा हमारी सरकार में बर्दाश्त नहीं। मैं खुद मजदूर परिवार का बेटा हूं। इस तरह की भाषा बोलना उचित नहीं है। अधिकारी भाषा और व्यवहार का ध्यान रखें।

बता दें कि, ट्रक ड्राइवर्स की हड़ताल के बीच शाजापुर के कलेक्टर का एक वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें वह एक मीटिंग के दौरान एक ड्राइवर से 'औकात' पूछते नजर आ रहे हैं। बाद में कलेक्टर किशोर कान्याल ने इस शब्द के इस्तेमाल को लेकर अफसोस प्रकट किया था।

प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग में एक मकान भी आया चपेट में

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम में स्थित एक प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। सूचना पर नगर निगम सहित आसपास के क्षेत्रों से फायर ब्रिगेड़ की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। 7 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना इंडस्ट्रियल एरिया स्थित श्री कंचन प्लास्टिक फैक्ट्री की है।

बुधवार अल सुबह यहां अचानक से आग लगी तो भगदड़ मच गई। लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को इसकी सूचना दी। तुरंत फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। लेकिन आग इतनी भीषण थी कि उसे कंट्रोल करने के लिए रतलाम के अलावा इप्का, नामली, धामनोद और सैलाना से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भेजनी पड़ गईं। कुल 20 गाड़ियां आग को बुझाने में जुट गईं, फिर 7 घंटे बाद भीषण आग पर काबू पाया गया। फैक्ट्री के पास बना एक मकान भी आग की चपेट में आ गया जिसे प्रशासन की टीम ने घर खाली करवाया। आग को बुझाने के लिए जेसीबी से फैक्ट्री की एक साइड की दीवार तोड़ना पड़ी।

प्रथम दृष्ट्या आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट से आग लगना बताया गया है। अधिकारियों की मानें तो, प्लास्टिक फैक्ट्री में सुबह करीब साढ़े 5 बजे नगर निगम के फायर कंट्रोल को भीषण आग लगने की पहली सूचना मिली थी। मौके पर चार फायर लॉरी अमले के साथ पहुंची। प्लास्टिक में लगी भीषण आग की लपटों को भांपते हुए इप्का कंपनी के अलावा नामली, धामनोद और सैलाना से भी दमकलकर्मी के साथ फायर लॉरी बुलाई गई।

कलेक्टर भास्कर लक्षकार और एसपी राहुल लोढ़ा भी मौके पर पहुंचे ओर उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया। गनीमत ये रही कि, आगजनी की इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। बस फैक्ट्री का सामान जलकर खाक हो गया।

'ऐसे मारती है पुलिस...' बोलकर दोस्तों ने की रस्सी से बांधकर की पिटाई, हुई मौत

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, यहाँ स्थित टुकराना गांव के पास ढाबे से मिली लाश की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। मंगलवार को इस मामले में एक और अपराधी जितेंद्र सौराष्ट्रीय को गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पहले पुलिस ने राजेश सौराष्ट्रीय को गिरफ्तार किया था। अपराधियों ने पुलिस को बताया कि, वे तीनों शराब के नशे में थे। इसी के चलते उन लोगों ने चोर-पुलिस की गेम खेली, जिसमें सुनील को चोर बनाया गया। जबकि, राजेश और जितेंद्र पुलिस बने। दोनों ने सुनील को बांध दिया एवं उसे पीटने लगे। कहने लगे कि, पुलिस ऐसे पीटती है। फिर वे दोनों वहां से सुनील को उसी स्थिति में छोड़कर चले गए। चोटिल सुनील की फिर मौत हो गई। अगले दिन सुनील की लाश मिली तो पुलिस ने तहकीकात आरम्भ की। पुलिस तभी से अपराधियों की तलाश कर रही थी। इस के चलते पाटीदार समाज के लोगों ने भी एसपी कार्यालय पहुंचकर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस की मेहनत रंग लाई तथा उन्होंने एक आरोपी राजेश सौराष्ट्रीय को गिरफ्तार कर लिया। फिर मंगलवार को दूसरे अपराधी जितेंद्र सौराष्ट्रीय को भी रंथभंवर-बेरछा के पास से गिरफ्तार कर लिया।

कोतवाली टीआई ब्रजेश मिश्रा ने बताया कि, इस कार्यवाही में कोतवाली टीआई ब्रजेश मिश्रा, उप निरीक्षक सुरेंद्र मेहता, आरक्षक शैलेंद्रसिंह गुर्जर, आरक्षक शैलेंद्र शर्मा, प्रधान आरक्षक कपिल नागर, प्रधान आरक्षक दीपक शर्मा, आरक्षक संजय पटेल, प्रधान आरक्षक रवि सेंगर, आरक्षक मनोज धाकड़ व मिथुन का योगदान रहा।

घर-घर राम मंदिर प्रतिष्ठा का निमंत्रण देने जाएंगे स्वयंसेवक

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के गाँव गुराड़िया देदा में अयोध्या से आए अक्षत कलश का पूजन कर उन्हें धारियाखेड़ी, गुडभेली, सिंदपन, रलायता, भुनियाखेड़ी, साबाखेड़ा, लालघाटी के रामभक्तों को वितरित किए गए। कार्यक्रम में 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक दशरथ सिंह झाला ने श्री राम जन्मभूमि के गौरवशाली इतिहास एवं संघर्ष' से परिचय कराते हुए कहा कि, हमारी अनेक पीढ़ियों ने श्रीराम जन्मभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है और आज हम वह सौभाग्यशाली पीढ़ी है जो भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण होते देख रहे है।

झाला ने समस्त हिन्दू समाज से आव्हान किया कि हमें पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी (22 जनवरी 2024) को हर गाँव को अयोध्या और हर मंदिर को राम मंदिर बनाना है। हिन्दू समाज के प्रत्येक घर के ऊपर भगवा पताकाएं लगे,हर घर के बाहर दीपक प्रज्वलित किए जाए,माताओं-बहनों द्वारा रंगोलियां बनाई जाए,घर के बाहर वन्दनवार लगाई जाए। 22 जनवरी के दिन दीपावली से भी भव्य उत्सव हिन्दू समाज द्वारा मनाया जाए और प्रति वर्ष पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी को रामलला का यह महोत्सव मनाया जाए।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भालोट खंड कार्यवाह गौरव सोनी, विश्व हिन्दू परिषद से भालोट प्रखंड से महेश लोहार, पंकज व्यास ओमप्रकाश शर्मा एवं सभी गाँवों के कारसेवक व बड़ी संख्या मे रामभक्त उपस्थित थे।

असामाजिक तत्वों के घर देर रात पुलिस ने दी दबिश

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम पुलिस गुंडों और अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए एक्शन मोड पर आ गई है। रतलाम सीएसपी ने अपनी टीम के साथ देर रात गुंडों के घर दबिश दी। उन्हें समझाइश दी कि किसी तरह का अपराध न करें। इसके अलावा पुलिस ने रात्रि गश्त भी बढ़ा दी है। पुलिस की इस सख्ती के बाद अपराधियों में हड़कंप मच गया है। वहीं इस कार्रवाई के बाद शहर में पुलिस की तारीफ भी काफी हो रही है।

पुलिस ने चलाया अपराध मुक्त अभियान

दरअसल, रतलाम को अपराध मुक्त जिला बनाने के लिए पुलिस ने अभियान छेड़ दिया है। पुलिस ने सबसे पहले जिले के ऐसे लोगों की सूची बनाई है जो गुंडागर्दी कर अपराध कर रहे हैं। साथ ही ऐसे लोगों के घर सोमवार की रात अचानक दबिश दी। जो लोग घर पर मिले उन्हें समझाइश दी गई, लेकिन जो घर पर नहीं थे उन्हें थाना बुलाया गया। बता दें कि, मध्य प्रदेश में मोहन सरकार बनने के बाद अब अपराधियों, गुंडों पर नकेल कसने के लिए मध्य प्रदेश पुलिस सक्रिय होकर काम कर रही है।

असामाजिक तत्वों पर होगी कार्रवाई

रतलाम के सीएसपी अभिनव वारंगे ने मीडिया को बताया कि, रतलाम को अपराध मुक्त बनाना है। क्षेत्र के असामाजिक तत्वों और गुंडों को चिन्हित कर उनकी सूची बनाई गई है। अभी हमारी टीम उनके घर पहुंच अपराध नहीं करने की समझाइश दे रही है। इसके बाद अगर अपराध करते हुए पाए जाते हैं तो इन पर कार्रवाई की जाएगी। जो घर पर नहीं मिले उन्हें थाना बुलाया गया है।

रेल मंडल ने बीते वर्ष में हासिल किया 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन होने का गौरव

माही की गूंज, रतलाम।

बीते वर्ष में रतलाम रेल मंडल ने कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है और विकास में भी अव्वल रहा है। इसके अलावा मंडल ने अपने सभी ब्राडगेज मार्गों पर 100 प्रतिशत विद्युतीकृत होने का गौरव भी हासिल किया है ।वहीं इंदौर-देवास-उज्जैन का दोहरीकरण का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। यह 80 कि.मी. लम्बा रेल खंड है। रतलाम स्टेशन पर इलेक्ट्रॉ निक इंटरलॉकिंग (ई.आई.) एवं यार्ड रिमॉडलिंग का कार्य काफी लंबे समय से किया जाना प्रस्तोवित था जिसे 25 दिसम्बर को पूरा किया गया।

इंदौर-दाहोद परियोजना कार्य प्रगति पर

दाहोद -इंदौर (बाया झाबुआ - धार) नई लाइन परियोजना के अंतर्गत टीही व धार के बीच कार्य प्रगति पर है। टिही- पीतमपुर खंड में दोनों तरफ से सुरंग का कार्य शुरू हो चुका हैद्ध पीतमपुर साइड से ब्लासिंटग व खुदाई कार्य प्रगति पर है वही टीही की साइड से ब्लासिंटग कार्य शुरू हो गया है। टीही से धार व कटवारा से झाबुआ के बीच अर्थ वर्क एवं ब्रिज निर्माण कार्य चल रहा है।

रतलाम -महू-खंडवा गेज कनवर्जन प्रोजेक्ट के अंतर्गत सनावद- खंडवा सेक्शन का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा खंडवा बाईपास केबिन व खंडवा (5.92 द्मद्व) सेक्शन को भी जनवरी में पूर्ण कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त ओमकारेश्वेर के पास नर्मदा नदी पर पुल बनाने का कार्य भी प्रगति पर है द्ध महू यार्ड में फार्मेशन व लिंकिंग वर्क भी शुरू किया जा चुका है इसके अलावा स्टेशन प्लेटफॉर्म व पैसेंजर शेड का कार्य भी प्रगति पर है।

यात्री सुख-सुविधा में वृद्धि

मंडल पर अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन इंदौर-भोपाल के बीच शुरू की गई हैं। स्थानीय लोगों की मांग एवं यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इंदौर से चलने वाली इंदौर भोपाल - इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का नागपुर स्टेशन तक विस्तोर किया गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री द्वारा उदयपुर- जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चित्तौडगढ़ स्टॉपेज के साथ शुरु की गई। प्रधानमंत्री ने ही चित्तौडगढ़- नीमच नवदोहरीकृत लाइन को देश को समर्पित की है। नीमच -रतलाम दोहरीकरण कार्य के तहत विभिन्न खंडों में अर्थवर्क, स्टेशन भवन, पटरियां बिछाने सहित मेजर/माइनर पुलों का निर्माण कार्य शीघ्रता से किया जा रहा है।

स्थानीय उत्पादों को आम जनता के मध्यक प्रचारित करने के लिए 'वन स्टेशन-वन प्रोडक्टस' के पायलेट प्रोजेक्ट को भारतीय रेलवे द्वारा लागू किया गया है। इसके तहत अभी तक रतलाम मंडल के कुल 18 स्टेवशनों इंदौर, उज्जैन, देवास, रतलाम, दाहोद, शुजालपुर, चित्तौडगढ़, नीमच, मंदसौर, नागदा, सीहोर, मक्सी , फतेहाबाद चंद्रावतीगंज, जावरा, चंदेरिया, डॉ. आम्बेडकर नगर, निम्बारहेड़ा तथा लक्ष्मीदबाई नगर स्टेशनों पर ओएसओपी आउटलेट्स इंस्टॉवल किए जा चुके हैं।

रेलवे स्टेंशन पर यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी करने हेतु अमृत स्टेशन योजना के तहत मंडल के दाहोद, देवास, नागदा, अकोदिया, बेरछा, नीमच, खाचरोद, मक्सी, मेघनगर, सीहोर, शुजालपुर, लक्ष्मीनबाई नगर, लीमखेड़ा, चंदेरिया, मंदसौर एवं चित्तौडगढ़ सहित कुल 16 स्टेशनों को उन्नत और पुनर्विकसित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में जनपद सीईओ, पंचायत इंस्पेक्टर, पंच, उपसरपंच, पीएचई विभाग ने बनाई दूरी

विकसित भारत संकल्प यात्रा बनी मजाक

माही की गूंज, खरगोन।

जनपद पंचायत झिरन्या में विकसित भारत संकल्प यात्रा मात्र मजाक बनकर रह गई। यहा पर अदने से कर्मचारियों के भरोसे यात्रा चल रही है। ऐसे दो ग्राम पंचायत मानिकेरा और राजपुरा में आज दिनाँक 2 जनवरी को विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रचार रथ के माध्यम से केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई व पेसा ब्लॉक समन्वयक द्वारा पेसा की जानकारी दी गयी एवं अन्य सभी विभागो के अधिकारियों द्वारा अपने विभाग से संबंधित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में पीएचई विभाग के अधिकारी कर्मचारियों में से कोई भी उपस्थित नही मिला। जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि, पीएचई विभाग के अधिकारी कर्मचारी अधिकतर यात्रा के कार्यक्रम में नजर नहीं आते हे। वही जनपद के महत्वपूर्ण कार्यक्रम में खुद जनपद के सीइओ महेंद्र श्रीवास्तव या पंचायत इंस्पेक्टर विनोद सुगंधी इन दोनो में कोई भी कार्यक्रम में नजर नहीं आए। ग्राम राजपुरा पंचायत का ये हाल हे की सरपंच से नाराज अधिकतर पंच, उप सरपंच, जनपद सदस्य आदि ने कार्यक्रम से दूरी बनाई। कार्यक्रम के अंतर्गत कुपोषण बच्चों के स्वास्थ्य के लिए जन सहयोग से उपस्थित जनों द्वारा 1390 रुपए पोषण मटके में डाले गए। विकसित भारत संकल्प यात्रा के इस शिविर में सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्रसिंह तोमर, जनपद सदस्य सुनील चौहान, ग्राम पंचायत के सरपंच, पेसा ब्लॉक समन्वयक, पेसा मोबिलाइजर, सचिव, रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता,आशा कार्यकर्ता, एएनएम, राजस्व विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, महिला एवं बाल विकास, एनआरएलएम विभाग,स्वस्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, उद्यानिकी विभाग एवं सभी विभाग के अधिकारी, कर्मचारी व ग्रामीण जन उपस्थित हुए।

वहीं मामले में एसडीएम भीकनगांव ने कहा है कि, विकसित भारत सकल्प यात्रा मे जो अधिकारी शासनादेश की योजना का पालन नहीं करते हे उन हम कारवाई करेंगे।

स्कूल में मिला आईएसआई का लेटर, बम ब्लॉस्ट की मिली धमकी

माही की गूंज, खंडवा।

मध्य प्रदेश के खंडवा में स्कूल प्रिंसिपल को बम ब्लास्ट की धमकी वाला लेटर मिला है। पत्र में लिखा है कि 26 जनवरी को स्कूल में 6 बम धमाके होंगे। अलग राज्यों में भी ब्लास्ट की धमकी दी गई है। धमाकों में कत्लेआम की जिम्मेदारी आईएसआई लेगा। इतना ही नहीं पत्र में लिखा गया है कि, जब प्रधानमंत्री लाल किले से तिरंगा फहरा रहे होंगे वो उनका अंतिम दिन होगा। पत्र में 'पाकिस्तान जिंदाबाद, अल्लाह हू अकबर' भी लिखा गया है। पत्र सामने आने के बाद पूरा मामला पुलिस के इन्वेस्टिगेशन में है। फिलहाल माना जा रहा है कि यह पत्र किसी की शरारत है, जिस पर पुलिस अधिकारी भी अभी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं, लेकिन उनकी जांच जारी है।

मामला खंडवा जिले के खालवा ब्लाक के पटाजन गांव के एक सरकारी स्कूल का है। बीते 28 दिसंबर की चपरासी को स्कूल में ताले से फंसा हुआ एक पत्र मिला। चपरासी लेटर को स्कूल प्रिंसिपल के पास ले गया। जब प्रिंसिपल ने लेटर पढ़ा तो उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। पत्र में खंडवा शहर के भी कुछ मुहल्लों और देश के कई राज्यों के नाम भी लिखे थे जहां भी ब्लास्ट करने की धमकी सख्त लहजे में लिखी हुई थी। साथ ही पत्र भेजने वाले ने आईएसआई संगठन के नाम से पत्र भेजते हुए उसमें पाकिस्तान जिंदाबाद भी लिखा है।

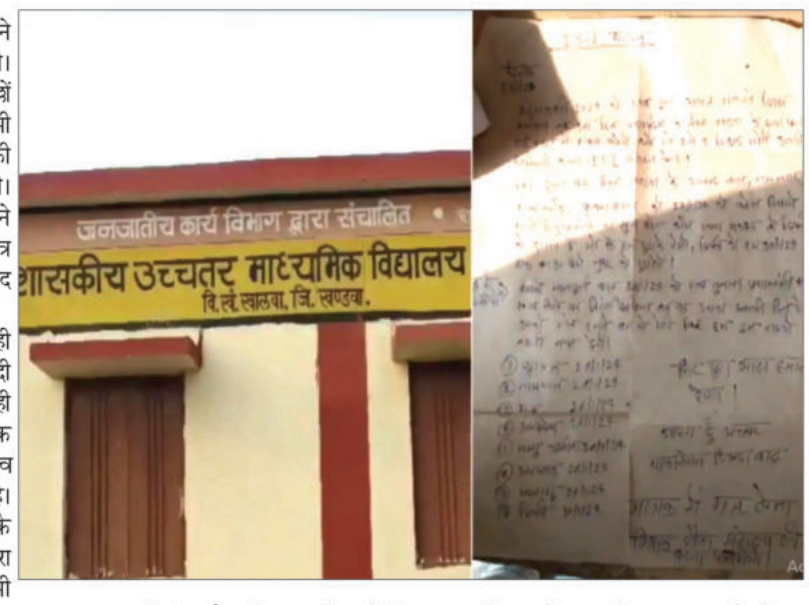

हालांकि जानकारी मिलते ही पुलिस ने अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है और इस पत्र की जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह पत्र किसी शरारती तत्व के द्वारा लिखा होना प्रतीत हो रहा है। हालांकि पुलिस जांच अभी इसके संबंध में जारी है। अब धमकी भरा यह खत सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है।

इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने के सवाल पर प्रभारी प्राचार्य जैन ने बताया कि, उन्होंने 28 तारीख को ही एफआईआर दर्ज करा दी थी। और पुलिस इसमें अपने हिसाब से इन्वेस्टिगेशन भी कर रही है। हालांकि प्राचार्य जैन के अनुसार इसमें अभी तक पुलिस को कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। तो वहीं पत्र में क्या लिखा था इसको लेकर प्राचार्य जैन ने बताया कि इस बारे में उन्हें ज्यादा नहीं मालूम है, मुझे पत्र जैसे मिला था वैसा ही पुलिस को सौंप दिया था।

शासन ने जारी की शीत लहर के संबंध में एडवाईजरी

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने शीतलहर के मद्देनजर शीत लहर के संबंध में एडवाईजरी जारी की गई है। उन्होने बताया कि, शीत लहर प्रबंधन में निम्न बातों का ध्यान रखा जाये। पर्याप्त मात्रा मे गर्म कपड़े जैसे दस्ताने, टोपी, मफलर एवं जुते आदि पहने शीत लहर के समय चुस्त कपडे ना पहने यह रक्त संचार को कम करते है इसीलिए हल्के ढीले-ढाल एवं सुती कपडे बाहर की तरफ एवं ऊनी कपडे अंदर की तरफ पहने। शीत लहर के समय जितना संभव हो सके घर के अंदर ही रहे और कोशिश करें कि अति आवश्यक हो तो ही बाहर यात्रा करे। अपने पास आवश्यक खाद्य पदार्थ, पानी, ई बैटरी चार्जर इमरजैसी साईट एवं आवश्यक दवाईया तैयार रखे। शीत लहर के समय विभिन्न प्रकार की बीमारीयों की संभावना अधिक बढ़ जाती है। जैसे पलू चलना,सदी, खासी एवं जुकाम आदि के लक्षण हो जाने पर स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं या चिकित्सक से संपर्क करे। नियमित रूप से गर्म पेय पीते रहे। अल्प तापवस्था के लक्षण जैसे सामान्य से कम शरीर का तापमान न रूकने वाली कपकपी, याददाश्त चले जाना, बेहोशी या मुर्छा की अवस्था हो जाना, जबान का लडखडाना आदि प्रकट होने पर उचित इलाज किया जाये। पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों से युक्त भोजन ग्रहण करे एवं शरीर की प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन सी से भरपुर फल और सब्जियो खाए एवं नियमित रूप से गर्म तरल पदार्थ अवश्य पीयें। अत्यधिक ठंड के समय दीर्घकालिन बीमारीयो जैसे डायबिटिज, उच्च रक्तचाप श्वास संबंधी बीमारीयो वाले मरीज, वृध्द पुरुष एवं महिलाएं जिनकी आयु 64 वर्ष से अधिक से अधिक 6 वर्ष से कम आयु के बच्चे गर्भवती महिलाएं आदि को ऐसी स्थिति में देखभाल करे। अधिक ठंड पड़ने पर पर्याप्त वेंटिलेशन होने पर ही रूम हीटर का उपयोग कर एवं बंद कमरे गर्म करने के लिए कोयले का उपयोग ना करे, क्योकि यह कोयला जलने पर कार्बन मोनो आक साई ड उत्पन्न होती है जो कि हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, इससे किसी की मृत्यु भी हो सकती है। अधिक ठंड पड़ने पर जहां तक संभव हो सके पालतु जानवरों को घर के अंदर ही रखे। अत्यधिक ठंड पडने से प्रभावित शरीर के हिस्से पर मालिश ना करे इससे अधिक नुकसान हो सकता है। शीत लहर में अधिक ठंड के लम्बे समय तक सम्पर्क में रहते से त्वचा कठोर एवं सुन्न कर सकती है। शरीर के अंगों जैसे हाथ पर की उंगलिया नाक एवं कान मे लाल फफोले हो सकते है। शरीर के भाग के मृत हो जाने पर त्वचा का लाल रंग बदलकर काला हो सकता है। यह बहुत खतरनाक है और गैंग्रीन रोग कहा जाता है। इसके लिए तत्काल चिकित्सक से परामर्श ले। शीत लहर के संपर्क में आने से फोस्टवाइट एवं हाईपोथरिया बीमारी हो सकती है। शीत लहर के संपर्क में आने से फास्टबाईट होने पर शरीर के अंगो जेसे हाथ-पैर की उंगलिया सुन्न हो जाना, नाक एवं कान की त्वचा का रंग सफेद एवं पीला हो जाना आदि लक्षण पाये जाने पर तत्काल चिकित्सक से परामर्श ले। शीत लहर के संपर्क में आने से होने पर शरीर के तापमान में पानी आ सकती है जिसके कारण बोलने मे कठिनाई, नींद न आना, मांसपेशियों का सुचारू रूप से कार्य न करना, सांस लेने में कठिनाई आदि लक्षण पाये जाने पर तत्काल चिकित्सक से परामर्श लें। शीत लहर से संबंधित प्राथमिक उपचार हेतु अधिक जानकारी के लिए एनडीएमए एप्प फालो किया जा सकता है।

हिंदू युवती से चैट करते हुए भगवान राम को लेकर किया आपत्तिजनक कमेंट, मुस्लिम युवक गिरफ्तार

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में सोशल मीडिया पर भगवान राम को लेकर एक मुस्लिम युवक ने आपत्तिजनक पोस्ट कर दी। इससे ग्रामीणों में रोष भड़का गया। अप्रिय स्थिति निर्मित होने से पहले पुलिस ने युवक के खिलाफ केस दर्ज किया और फिर उसे गिरफ्तार कर लिया। जिला मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर दूर ऊन थाना इलाके के केली गांव का यह मामला है। 28 साल के फैजान पिता निजाम ने एक हिन्दू युवती से इंस्टाग्राम पर चैट करते हुए भगवान राम को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट कर दी। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। जैसे ही केली और आसपास के लोगों को इस बात की जानकारी मिली, हिंदू संगठनों में रोष गहरा गया और गुस्साए लोग ऊन थाने पर पहुंच गए।

ग्रामीणों ने थाना इचार्ज लक्ष्मण सिंह लोवंशी से शिकायत की। मामले की सूचना मिलने पर तत्काल एसपी धर्मवीर सिंह है थाना इंचार्ज को आरोपी युवक को पकड़ने के निर्देश दिए। पुलिस ने आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले फैजान को तत्काल गिरफ्तार कर लिया।

ऊन थाने पर वाहन से उतरकर आरोपी युवक को ले जाते समय लोगों ने पुलिस वाहन को घेर लिया। लेकिन पुलिस के समझाया तो ग्रामीण हट गए। पुलिस ने आरोपी फैजान के खिलाफ धारा 295 और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है।

थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह लोवंशी ने बताया, फैजान पिता निजाम ने 2 जनवरी रात 10 बजे सोशल मीडिया के इस्ट्राग्राम पर भगवान श्री राम के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट की, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। जिससे हिन्दू धर्म के लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची। शिकायत सरपंच प्रतिनिधि अश्विन ठाकुर की तरफ से थाने में दर्ज कराई गई। पुलिस ने आरोपी को पकड़कर धारा 295 और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है।

चैक बाउन्स मामले मे एक वर्ष का सश्रम कारावास तथा 15 लाख रूपये प्रतिकर

माही की गूंज, बड़वानी।

परिवादी फिरोज खान पिता अब्दुल रेहमान खान, इंडिया ट्रेडिंग कंपनी अंजड को रुपये की लेन देन की अदायगी में दिये गये चैक के अनादरण होने पर आरोपी इकरार पिता इकबाल देहलवी सेल्फी सेलून इन्दौर को 01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 15 लाख रूपये प्रतिकर अदा करने का आदेश दिया गया।

मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी श्रीमती सीता कन्नौजे द्वारा 28 दिसम्बर 2023 में पारित अपने निर्णय में अभियुक्त इकरार देहलवी के द्वारा रूपये 12,00,000 लाख परिवादी फिरोज से 27 मई 2021 को कास्मेटिक व्यापार हेतु उधार लिये गये रूपयों की अदायगी पेटे रूपये 12,00,000 लाख का चैक 12 अप्रैल 2022 को अपना हस्ताक्षरित कर दिया था, परिवादी के द्वारा बैंक मे चैक प्रस्तुत करने पर बैंक के द्वारा परिवादी को बताया गया कि आरोपी इकरार के द्वारा बैंक मे पेमेंट स्टॉप कर दिया गया है, इस कारण से चैक का भुगतान नही किया गया। परिवादी के द्वारा कानूनी कार्यवाही किये जाने पर न्यायालय ने आरोपी इकरार को रूपये 15,00,000 लाख प्रतिकर तथा 01 वर्ष का सश्रम कारावास से दण्डित किया गया। प्रतिकर की राशि पर व्यतिक्रम होने पर 6 माह का अतिरिक्त कारावास भुगताये जाने आदेश दिया गया। प्रकरण में प्रारंभिक पैरवी हेमेन्द्र कुमरावत अधिवक्ता के द्वारा तथा पश्चात्वर्ती पैरवी नरेन्द्र राठौड अधिवक्ता के द्वारा की गई।

बड़वानी की हॉकी टीम इटारसी में भाग लेगी

माही की गूंज, बड़वानी।

मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित सीनियर मेंस हॉकी चौंपियनशिप का आयोजन 4 से 9 जनवरी तक इटारसी (होशंगाबाद) में किया जा रहा है। जिसमें जिला हॉकी संघ बड़वानी का 16 सदस्य हॉकी दल कोच, मैनेजर कुशल भामदरे, इमरान खान एवं कप्तान शुभम दुबे के नेतृत्व में टीम प्रतियोगिता में जिला हॉकी संघ बड़वानी का प्रतिनिधित्व करेगी। टीम 3 तारीख को शाम 4 बजे प्रतियोगिता के लिए प्रस्थान करेगी।

श्रीराम चौक के नवनिर्मित कनक भवन मंदिर में 22 जनवरी को स्थापित होगें भगवान श्रीराम

माही की गूंज, अमझेरा। विक्रमसिंह राठौर

जहाँ एक ओर अयोध्या के नवनिर्मित मंदिर में भगवान रामलला 22 जनवरी को विराजीत होगें, वहीं दुसरी ओर अमझेरा की अयोध्या के श्रीराम चौक में नवनिर्मित कनक भवन मंदिर में भी भगवान राम की अयोध्या के मुहुर्त अनुसार ही प्राण प्रतिष्ठा धुमधाम से की जाएगी। साथ ही 17 जनवरी से पंचकुण्डात्म महायज्ञ के साथ कई धार्मिक अनुष्ठान कलष यात्रा, प्रतिमाओं की शोभायात्रा व सुंदरकांड पाठ आदि किये जाएगें। मंदिर के पूजारी राहुल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि, भगवान श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही श्री हनुमानजी व पशुपतिनाथ महादेव भगवान की भी स्थापना की जाएगी। जिसकी तैयारीयॉ ध्वज स्थापना के साथ प्रारंभ कर दी गई है तथा पंच कुण्डात्म श्रीराम मारूती महायज्ञ के लिए यज्ञषाला का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही मंदिर पर आकर्षक साज सजावट, ध्वज पताकाओं के साथ पुरे श्रीराम चौक को आकर्षक रूप से सजाया जाएगा। 22 जनवरी को महायज्ञ की पुर्णाहुति के साथ ही महाआरती का आयोजन भी किया गया है। जिसमें नगर के सर्वसमाज का प्रतिनिधित्व रहेगा तथा महाप्रसादी के रूप में भंडारे का आयोजन किया गया है।

गणतंत्र दिवस की संध्या पर होगा भारत पर्व का आयोजन

माही की गूंज, खरगोन। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2024 की संध्या को जिला मुख्यालय पर लोकतंत्र का लोक उत्सव ''भारत पर्व'' का आयोजन किया जाएगा। भारत पर्व के आयोजन की संध्या को जिला मुख्यालय पर की जाने वाली विहित व्यवस्था व कार्यक्रम के लिए मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री एमआर निगवाल को लोक उत्सव भारत पर्व का नोडल अधिकारी बनाया गया है। भारत पर्व के प्रभावी आयोजन के लिए शासन के निर्देशानुसार मंच सज्जा, लाईट, साऊण्ड, सहित अन्य व्यवस्थाएं करना सुनिश्चित करेंगे।

बेबाकी के साथ...सच
माही की गूंज
एजेंसी देना है
झाबुआ जिले में
रंभापुर, मदरानी, झकनावदा, खवासा, राणापुर
अलीराजपुर जिले में
सौंडवा, कट्ठीवाड़ा, छकतला, चांदपुर, बोरी
संपर्क - 9589882798, 9981318651

विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होगे महामहिम राज्यपाल

माही की गूंज, खरगोन।

नव वर्ष के प्रथम दिन माननीय मुख्यमंत्री ने खरगोन पधार कर निमाड़ क्षेत्र को महत्व दिया। इसी प्रकार दिनांक 5 जनवरी 2024 को पुनः खरगोन जिले को महामहिम राज्यपाल मंगू भाई पटेल के आतिथ्य का सौभाग्य प्राप्त होगा। राज्यपाल से प्राप्त अधिकृत जानकारी अनुसार महामहिम राज्यपाल विकसित भारत संकल्प यात्रा में सम्मिलित होने ग्राम पंचायत लाड़वी के ग्राम केरियाखेड़ी में पधार रहे हैं। वह 5 जनवरी को प्रातः 11:00 हेलीकॉप्टर से केरियाखेड़ी स्थित शासकीय कन्या शिक्षा परिसर के पास निर्मित हेलीपैड पर उतरेंगे। वहां से कन्या शिक्षा परिसर के मैदान में ग्रामजनों के मध्य पहुंची भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

उक्त कार्यक्रम की तैयारी हेतु आज 3 जनवरी को सांसद गजेंद्र सिंह पटेल, कलेक्टर कर्मवीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सहित तथा जिले के अधिकारी व कर्मचारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का दौरा किया और आवश्यक व्यवस्था हेतु बैठक कर निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में ग्राम पंचायत के तहत नल जल मिशन ग्राम लड़वी में पूर्ण होना, अन्य 5 ग्रामों में स्वीकृत होना एवं पाइप डालने के कार्य पर संतुष्टि व्यक्त की। कलेक्टर श्री शर्मा ने विकासखंड के लगभग 300 टीवी मरीज हेतु निक्षय मित्र तत्काल बनाए जाने एवं स्वयं को भी निक्षय मित्र बनाए जाने का प्रस्ताव दिया। ज्ञातत्व है कि टीवी मरीजों को विशिष्ट भोजन/पोषण आहार की आवश्यकता हेतु निक्षय मित्र बनाए जाते हैं जो संबंधित मरीजों के पोषण का 6 माह का व्यय प्रदान करता है। कलेक्टर श्री शर्मा ने इस पूर्ण कार्य में सबको जोड़कर शत प्रतिशत निश्चय मित्र बनाने का लक्ष्य दिया

लगेगी प्रदर्शनी

राज्यपाल के अवलोकन हेतु विभिन्न विभाग जिसमें कृषि विभाग का ड्रोन सिस्टम से दवाई छिड़काव का प्रदर्शन, वानिकी विभाग का खरगोन जिले के विशिष्ट फल थाई अमरूद, जैविक खेती का प्रदर्शन एवं अन्य विभाग की प्रदर्शनी लगेगी।

मेरी कहानी मेरी जुबानी

राज्यपाल के समक्ष विभिन्न शासकीय योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना आदि के लाभार्थी एवं अपने शब्दों में अपने विकास की गाथा बताएंगे। अन्य सभी विभागों की समीक्षा करने पर संबंधित ग्राम पंचायत में प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध किए गए संतोष पूर्ण कार्य पर कलेक्टर श्री शर्मा द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई।

इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण यंत्री विजय पवार, एसडीएम अनिल जैन, जनजाति कार्य विभाग के सहायक आयुक्त प्रशांत आर्या, एसडीओपी मनोहर गवली एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बदला मौसम का मिजाज, कड़ाके की ठंड में बारिश का आगाज़

माही की गूंज, उज्जैन।

मध्यप्रदेश में मौसम विभाग के अलर्ट के बाद उज्जैन संभाग में बुधवार सुबह सर्दी के सीजन की पहली और तेज बारिश हुई है। मौसम विभाग ने आने वाले अगले दो दिनों में एमपी में आंधी-तूफान के साथ बारिश का रेड अलर्ट भी जारी किया है। वहीं, राजधानी भोपाल में बूंदाबांदी के साथ बुधवार की सुबह ठंडी हवाओं के आगोश में थी तो वहीं आसमान में बादलों का डेरा लगा रहा। जिससे शहर भर में कोहरा और धुंध छाई हुई है। सर्दियों के इस सीजन में जहां मंगलवार को ठंड का दौर शुरू हुआ वहीं बुधवार को भी बारिश ने भी लोगों को कंपकंपाने को मजबूर कर दिया। सर्द हवाओं के कारण दिन के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। मंगलवार को प्रदेश के ग्वालियर समेत 6 शहरों में दिन का तापमान 20 डिग्री से कम रहा। इनमें शिवपुरी सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 14 डिग्री दर्ज किया गया तो ग्वालियर में 14.4 डिग्री रहा।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से मौसम विभाग ने देर शाम तक में अशोकनगर, गुना और आगर में आकाशीय बिजली की गरज-चमक के साथ आंधी चलने का अनुमान जताया है। उज्जैन संभाग में भी बुधवार सुबह से ही तेज बारिश शुरू हो गई थी। फिलहाल बारिश रुकी हुई है और कड़ाके की सर्दी हो रही है। बारिश के साथ चल रही ठंडी हवाओं ने लोगों को घर से बाहर ही नहीं निकलने दिया। लोग अब तक घरों से बाहर नहीं निकले हैं। वहीं कई इलाकों लोग अलाव जलाकर उसके पास बैठे है और तापते नज़र आ रहे है। राजधानी भोपाल में बूंदाबांदी और उज्जैन संभाग में तेज बारिश के बाद मौसम विभाग ने इन शहरों में भी ठंडी हवाओं के साथ भारी बारिश की भविष्यवाणी की है।

बुधवार को एमपी की राजधानी भोपाल में अधिकतम तापमान 25.7 डिग्री, इंदौर में 26.9 डिग्री, जबलपुर में 27.7 डिग्री और उज्जैन में पारा 24 डिग्री दर्ज किया गया। मंगलवार को शिवपुरी प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। यहां दिन का तापमान 24 डिग्री पहुंच गया। रायसेन, दमोह, सतना, रीवा, सागर, शाजापुर, पचमढ़ी और रतलाम में पारा 25 डिग्री से कम रहा। सबसे ज्यादा तापमान खंडवा में 29.8 डिग्री दर्ज किया गया। और सबसे कम तापमान टीकमगढ़ में 16 डिग्री, नौगांव में 16.4 डिग्री, खजुराहो में 16.6 डिग्री, गुना में 16.8 डिग्री तापमान रहा।

शिव-पार्वती विवाह में झूमे लोग

माही की गूंज, बरझर। फिरोज खान

महाकालेश्वर मंदिर समिति एवं श्रीदेवी लाल जी साहू द्वारा ग्राम में कराई जा रही शिवामहापुराण कथा के चौथे दिवस पंडित श्री महेश गुरूजी द्वारा माता पार्वती एवं शिवशंकर के विवाह का चित्रण किया गया। जैसे ही गुरु जी के मुखारविंद से शिवपार्वती के विवाह का उद्घोष किया गया एवं मंच पर शिवापार्वती बने कलाकारों के द्वारा विवाह का चित्रण किया गया, पूरा पंडाल भक्ति भाव में सरोवर होकर झूम उठा।

कथावाचक पंडित महेश गुरूजी द्वारा शिवजीकी बारात का वृतांत सुनकर पंडाल में बैठे सभी महिला पुरुष भाव विभोर होकर बारात के साक्षी और संगी हो गए। सभी अपने स्थान से उठकर भोले की बारात में जाने के लिए झूम उठे। शिव की बारात के साथ सभी झूमते और नाचते नजर आए। इससे पूर्व कथा में पंडित श्री गुरु जी ने माता पार्वती के सती होने का मार्मिक दृष्टांत दिया। राजा दक्ष के चरित्र को बताते हुए गुरुजी ने कहा, आजकल सभी इसी तरह बिना पेंदी के लोटे हो गए हैं अपना स्वार्थ देखते हुए चरित्र और कर्म बदल लेते हैं पंडित जी ने कहा इंसान को धर्म कर्म करने के लिए किसी आयु का इंतजार नहीं करना चाहिए। लोग धर्म सत्संग करने के लिएवृद्धावस्था का इंतजार करते हैं। जब उनके हाथ-पांव जवाब दे जाते इसलिए उम्र ना देखते हुए जब भी मौका मिले सत्संग कर लिया करें।

कथा को सुनने के लिए बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष न सिर्फ ग्राम से आ रहे हैं बल्कि आसपास के गांव से भी लोग आ रहे हैं। कथा के बाद सेना पटेल ने 5 हजार रुपए दान राशी भी दी। कथा सुनने वालों में कथा में विधायक सेना पटेल, पूर्व विधायक माधवसिंह डावर?, जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओम राठौड़, योगेश? शाहू, देवीलाल शाहू, सोनू वर्मा, जितेन्द्र शाहू, फकीरा प्रजापत, चनदुलाल शाहू, विक्रम शाहू, महेश कुमार शाहू, कपील सोनी, शंकर लाल राठौड़, अशोक शाहू आदि विशेष रूप से कथा प्रवचन में मौजूद थे।

आम्बुआ-सेजावाड़ा टू-लेन सड़क को लेकर ग्रामीणों ने केंद्रीय परिवहन मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

आम्बुआ-सेजावाड़ा के बीच टू-लेन सड़क बनाई जाना है। इसमें बायपास भी प्रस्तावित है। लेकिन ग्रामीण बायपास निर्माण का विरोध कर रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सोमवार को विधायक सेना पटेल और पूर्व जिकां अध्यक्ष महेश पटेल को केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गड़करी के नाम ज्ञापन देकर बायपास निर्माण ना करते हुए शहर से ही सड़क निकालने की मांग की।

ग्राम बिलझर से आए ग्रामीणों ने बताया, बायपास के लिए सर्वे हो गया है। इसमें करीब 49 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित की जाएगी। लेकिन ग्रामीण अपनी जमीन नहीं देना चाहते। जबकि सडक मात्र 10 मीटर चौड़ाई में बनना प्रस्तावित है। ग्राम आम्बुआ से सेजवाड़ा तक इस सड़क पर नाममात्र का अतिक्रमण है, जिसे हटा, बगैर निर्माण कार्य हो सकता है। कहीं-कहीं तो इस मार्ग के लिए 150 फीट तक जमीन उपलब्ध है। ज्ञापन में कहा यहां लघु कृषक होकर कई वर्षों से अपनी कृषि भूमि पर कृषि कार्य कर अपने परिवार का पालण-पोषण करते आ रहे है। बायपास का निर्माण होने से कृषकों को पूरी की पूरी जमीन चली जाएगी। इससे कृषक भूमिहीन हो जाएंगे और कृषि पर आश्रित परिवार को जीवन यापन करने में कई परेशानियां उत्पन्न हो जाएगी। उनके सामने भूखे मरने की स्थिति बन सकती है। ग्रामीणों ने कहा, 49 एकड़ में कई पेड़ पौधे, कुएं और बोरवेल को भी नुकसान होगा। ग्रामीणों ने ज्ञापन में मांग रखी कि बायपास का विचार छोड़कर शीघ्र चंशेआ नगर से ही सड़क निकाली जाए। इस पर विधायक पटेल ने कहा कि आपकी मांग से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को अवगत कराया जाएगा। आपकी समस्या का समाधान कराने का पूरा प्रयास होगा।

श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव हेतु बैठक का हुआ आयोजन

माही की गूंज, आम्बुआ।

आगामी 22 जनवरी को तीर्थ राम जन्मभूमि पर भगवान श्री राम जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व संपूर्ण क्षेत्र में धार्मिक माहौल बनाने तथा सभी को आयोजन में मन से जुड़ने हेतु एक बैठक का आयोजन विश्व हिंदू परिषद द्वारा आम्बुआ शंकर मंदिर प्रांगण में किया गया।

बैठक में हिंदू उत्सव समिति जिला अलीराजपुर सदस्य बलिराज बिल्लोरे ने प्राण प्रतिष्ठा पूर्व आम्बुआ क्षेत्र में धार्मिक वातावरण निर्मित करने तथा सभी को आयोजन से जुड़ने हेतु कार्यक्रम की रूपरेखा बताई गई। जिसके तहत घर-घर अक्षत कलश पूजन, घर-घर हनुमान चालीसा, सुंदरकांड, सुबह राम धुन प्रभार फेरी, महिला मंडल द्वारा घर-घर भजन संकीर्तन के साथ ही प्राण प्रतिष्ठा के दिन सामूहिक या अलग-अलग स्थान पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाना आरती एवं प्रसादी का कार्यक्रम किया जाने हेतु समितियां बनाई जाकर दायित्व सोपा गया। कार्यक्रम में उत्सव समिति के जिला सदस्य भरत माहेश्वरी, भागीरथ चौहान के साथ ही अनेक कार्यकर्ता मातृशक्ति उपस्थित रहे कार्यक्रम पश्चात सभी का आभार शिक्षक अजय गुप्ता द्वारा किया गया।

रेस्ट हाउस में कांग्रेस ने आयोजित किया नववर्ष मिलन समारोह

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

कांग्रेस द्वारा स्थानीय रेस्ट हाउस में नववर्ष मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे। विधायक सेना पटेल ने कार्यकर्ताओं से चर्चा कर उनकी समस्याएं भी जानी। साथ ही लोकसभा चुनाव के लिए कड़ी मेहनत करने की बात कही। पूर्व जिकां अध्यक्ष महेश पटेल ने कहा, चंद्रशेखर आजाद नगर में भी जल्द पार्टी कार्यालय खोला जा रहा है। जहां कार्यकर्ता अपनी समस्या बता सकता है। उन्होंने कहा, जो भी काम हो हमें बताए, उसका निराकरण किया जाएगा। हैंडपंप की जरूरत है तो हैंडपंप और डीपी लगवाना है तो उसे भी विधायक निधि से लगवाएंगे। कार्यकर्ता जब भी बुलाएंगे हम हाजिर हो जाएंगे। पटेल ने कहा विधानसभा चुनाव की तरह लोकसभा चुनाव में भी हमें लीड बरकरार रखना है, बल्कि इसे और बढ़ाना होगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर ने भी संबोधित किया। कमरू अजनार, लईक मोहम्मद शेख, राजेश जैन, हनीफ शेख, हरीश भाबर, कपिल सोनी, विशाल अरोड़ा, मयंक सोनी, साबिर शेख, अखलाक नवाबी, आदिल शेख, इरशाद खान सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

परिवार कर रहा था अंतिम संस्कार की तैयारी, बॉडी ही उठा ले गई पुलिस

माही की गूंज, उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन के महाकाल थाना क्षेत्र के जयसिंहपुर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। फिर परिजन उसे श्मशान घाट ले गए अंतिम संस्कार के लिए। जैसे ही घटना की जानकारी महाकाल थाना पुलिस को लगी टीम फौरन हरकत में आई और सीधे शमशान घाट पहुंची। यहां पर युवक के परिजन उसके अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। पुलिस ने तत्काल बॉडी को अपने कब्जे में लिया और जिला अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक के पेट पर चोट के निशान पाए गए हैं। वहीं अब पुलिस जांच के बाद ही आगे का खुलासा कर पाएगी। युवक मिस्त्री का काम करता था, उसकी दो बेटियां भी है। उसकी मौत कैसे हुई ये जांच के बाद पता चल पाएगा। युवक सोमवार रात कहां था, इसके लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएंगे।

उज्जैन महाकाल थाना सीएसपी ओम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि, जय सिंह पूरा के बंसी बाड़ा में रहने वाले 26 वर्ष के संजू चौहान के शव का अंतिम संस्कार करने की तैयारी थी, लेकिन इससे पहले पुलिस को सूचना मिली की युवक की हत्या कर उसे जलाने ले जाया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अंतिम संस्कार से पहले महाकाल थाना पुलिस ने संजू के शव को बरामद कर उसे जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। संजू के परिवार वालों ने पुलिस को बताया कि, संजू सोमवार रात को साढ़े 11 बजे घर लौटा था। पेट पर धारदार हथियार के निशान देख परिजनों ने घर पर ही पट्टी बांध दी थी। सुबह संजू की तबियत बिगड़ी तो परिवार वाले उसे अस्पताल ले जाने लगे। इस बीच किसी परिचित ने नब्ज देखी तो पता चला की संजू की मौत हो गई है। इसके बाद संजू के अंतिम संस्कार के लिए शमशान घाट पहुंचे ही थे कि महाकाल पुलिस ने सही समय पर पहुंचकर बॉडी को अपने कब्जे में ले लिया और पोटमार्टम के लिए भेज दिया।।

दो अलग-अलग घटनाओं में 2 वाहन जप्त, लाखों की अवैध शराब भी की जप्त

माही की गूंज, अलीराजपुर।

थाना चांदपुर पुलिस को एक जनवरी की रात्रि रोड गश्त के दौरान अवैध शराब परिवहन कर गुजरात ले जानें की सूचना मिली थी। जिस पर चांदपुर थाना प्रभारी उनि माधुसिंह हाडा के द्वारा त?वरित कार्यवाही करते हुये अपने नेतृत?व में अवैध शराब परिवहन करनें वाले वाहन की घेराबन?दी हेतु 2 अलग-अलग टीम तैयार कर लगाई गई। जिसके परिणामस?वरूप अलीराजपुर रोड की ओर से आ रही एक सिल्वर कलर की इनोवा वाहन क्रमांक जीजे 16 व्ही 7722 को केबी रोड ग्राम आगलगोटा फाटे पर रोककर वाहन की तलाशी ली गई। जिसमे अंग्रेजी शराब की 35 पेटीयां होना पाई गई। शराब की पेटीयों के संबंध में वाहन चालक दीपु पिता सोमला, निवासी कुशलपुरा थाना राजगढ जिला धार से पूछताछ करते उक्त अवैध शराब परिवहन के संबंध में पुलिस टीम को कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया गया। जिस पर पुलिस टीम के द्वारा आरोपी को गिरफतार कर इनोवा वाहन को कब्जे मे लेकर वाहन मे रखी अवैध शराब मात्रा 302 लीटर सहित इनोवा वाहन जप्त कर अपराध क्रमांक 01/2023, धारा 34(2), 36, 46 आबकारी एक्ट का दर्ज कर जांच में लिया गया।

इसी प्रकार थाना चांदपुर पुलिस की दूसरी टीम के द्वारा ग्राम साकडी केबी रोड करणी सेना ढाबे के पास अलीराजपुर रोड की ओर से आ रही एक्सयूव्ही वाहन क्रमांक जीजे 06 पीजे 8298 को रोककर वाहन की तलाशी ली गई, जिसमे अंग्रेजी शराब की पेटीयां होना पाई गई। शराब की पेटीयों के संबंध में वाहन चालक रजनीकान्त पिता रमणभाई तरबदा कोरी, निवासी भ्ररूच गुजरात से पूछताछ करते उक्त अवैध शराब परिवहन के संबंध में पुलिस टीम को कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया गया। जिस पर पुलिस टीम के द्वारा आरोपी को गिरफतार कर वाहन को कब्जे मे लेकर वाहन मे रखी अवैध शराब मात्रा 422 लीटर सहित एक्सयूव्ही वाहन जप्त कर अपराध क्रमांक 02/2023, धारा 34(2), 36, 46 आबकारी एक्ट का दर्ज कर जांच में लिया गया।

आप सभी ने मुझे भारी मतों से जिताया अब मुझे आपके कार्य करना है- श्रीमती पटेल

माही की गूंज, आम्बुआ।

विधानसभा क्षेत्र जोबट के मतदाताओं ने मुझे भारी मतों से जीत दिलाई, चुनाव से लेकर अभी तक आप सभी कांग्रेस के साथ समर्पित भाव से जुड़े रह रहे हैं। आगामी समय में लोकसभा चुनाव है जिसमें भी हमें जीत मिलना चाहिए नया वर्ष सभी के लिए जीवन में खुशियां लाए सभी को शुभकामना देती हूं।

उक्त विचार विधानसभा क्षेत्र जोबट की नव निर्वाचित विधायक श्रीमती सेना पटेल ने आम्बुआ में नव वर्ष मिलन कार्यक्रम में व्यक्त किए। श्रीमती पटेल ने आगे कहा कि, क्षेत्र की जो भी समस्याएं हैं वे हमें अवगत कराए ताकि हम उनका निराकरण कर सके हमने चुनाव में जो भी वादे किए उन्हें आगामी समय में पूर्ण करने हेतु संकल्पित हूं। जैसे नया बजट आता है हम मांगों को प्रमुखता के आधार पर पूर्ण करेंगे। आगामी लोकसभा चुनाव में हमारे विधानसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी जो भी रहे उसको जिताना है।

कार्यक्रम को जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओम प्रकाश राठौर, अमान पठान आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसियों का हार माला तथा शाल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सरपंच रमेश रावत, महेंद्र सिंह रावत, उप सरपंच थानसिंह भयडिया, मोहम्मद सेठ, चांद मोहम्मद, मस्तु, कमलसिंह कनेश, नारायणसिंह चौहान, डॉ. राजेंद्रसिंह राठौर, अमरसिंह डुडवे, नादानसिंह रावत, गजराज सिंह, दितलिया बघेल, रमेश बघेल आदि अनेक ग्रामीण कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रात के अंधेरे में आखिर कौन चोरी कर गया दो डम्फर जप्त रेत

एसडीएम ने दिसम्बर में की थी कार्यवाही , नए साल में रेत गायब

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

गत माह पेटलावद एसडीएम अनिल कुमार राठौर को, मंडी सचिव की और बालू रेत से भरे अवैध डंफर मंडी परिसर में खड़े होने एवं हेलिपेड़ को नुकसान पहुँचाने की शिकायत के बाद कार्यवाही करते हुए 11 दिसम्बर को मंडी के बहार से एक रेत भरा डम्फर जप्त किया। जबकि दो डम्फर चालक हेलीपेड के करीब रेत खाली करके भाग गए। जप्त डंफ़र थाना पेटलावद में खड़ा करवाया गया। जबकि दो डम्फर खाली हुई रेत का पंचनामा बनाया गया। जप्त रेत अचानक 2 जनवरी को सुबह मौके से गायब हो गई । बताया जा रहा 1 जनवरी की रात में जेसीबी ओर ट्रेक्टर के माध्यम से रेत उठाई गई। जप्त रेत किसने ओर किसकी अनुमति से उठाई इसकी कोई जानकारी नही मिली।

सबसे बडी बात रेत जप्त करने वाले एसडीएम अनिल राठौर से जब इस सम्बंध में जानकारी चाही गई तो उन्होंने इसकी कोई जानकारी नही होने की बात कहते हुए मामले को दीखवाने की बात कही । दो दिन बीत जाने के बाद भी ऐसी कोई जानकारी साहब की ओर से नही मिली जिससे ये पता चल सके कि जप्त रेत आखिर गई कहा...?

सोमवार की रात में जप्त रेत जेसीबी ओर ट्रेक्टर से उठाए जाने की जानकारी सामने आने के बाद जागरूक नागरिक ने इसका वीडियो बनाया और पुलिस तक सूचना पहुचाई लेकिन पुलिस की ओर से रेत प्रशासन द्वारा जप्त करना और उनके द्वारा कार्यवाही करने की बात कहते हुए मामले से पल्ला झाड़ लिया।

एसडीएम की छवि हो रही धूमिल

आईएएस एसडीएम अनिल कुमार राठौर को पदस्थ हुए एक वर्ष से अधिक हो गया है लेकिन उन पर कोई गम्भीर आरोप नही लगे और उनकी साफ छवि के चर्चे भी राजस्व के गलियारों में हो रहे हैं। लेकिन जप्त रेत के रातों रात यू बीना उनकी जानकारी के गायब हो जाना सवालिया निशान लगा रहा हे। इस मामले में बाजार में, अधिकारियों की मिलीभगत की चर्चा आम हो रही हैं। शिकायत करने वाले मंडी सचिव को नही पता कि रेत किसकी अनुमति से उठाई गई ।

अवैध रूप से चल रहे रेत के ठिये तो यहां भी हुई सेटिंग

नगर और नगर के आसपास एक दो नही कम से कम 15 से 20 रेत के अवैध ठिये संचालित हो रहे हैं। इसमें से ज्यादातर ठिये मुख्य मार्गो से लगे हुए है जिन पर रोज जवाबदारों का आना-जाना होता है जिसे ये अनदेखा कर निकल जाते हैं। अब बाज़ार में यही चर्चा है कि जब रेत के ठिये मिलीभगत से चल सकते हैं और रोज बिना रॉयल्टी के ओवरालोड रेत वाहन आ जा सकते तो इसमें कोनसी बड़ी बात है की जप्त रेत इन्ही ठिये वालो के माध्यम से मिलीभगत कर ठिकाने लगाई गई होगी। जप्त रेत के साथ जप्त डम्फर अभी भी थाने पर ही खड़ा है, ऐसे में खनिज विभाग द्वारा इसका कोई निराकरण हुआ इसकी संभावना भी कम है।

केबिनेट मंत्री के प्रथम आगमन पर दिखी संगठन की फूट , हल्का रहा स्वागत सत्कार

मंडल अध्यक्षों, मोर्चो के बेनर गायब, जो लगे उनमें भी फूट-फजीते

माही की गूंज , पेटलावद।

मध्यप्रदेश सरकार में पहली बार पेटलावद को कैबिनेट मंत्री मिला इसका उत्साह जैसा होना था वैसा दिखाई नही दिया ओर इतना बड़ा अवसर मिलने के बाद भी भाजपा में चल रही आपसी फूट और अंदरुनी कहल साफ देखने को मिला । शनिवार को कैबिनेट मंत्री बन कर लोटी विधायक निर्मला भूरिया का स्वागत कार्यक्रम रखा गया । झकनावदा से स्वागत शुरू होकर तारखेड़ी विश्वमंगल हनुमान पहुँचा जहा से रायपुरिया ओर फिर पेटलावद पहुँचा जहा पर मंत्री निर्मला भूरिया का स्वागत किया गया। मंत्री के प्रथम नगर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओ में कोई खास उत्साह नही देखा गया । नगर में मंत्री के प्रथम आगमन पर जहा बेनर पोस्टरों की बाढ़ सी आ जाने की बात की जा रही थी वहां गिने चुने पोस्टर लगे देखे गए उसमे से भी ज्यादातर पोस्टर व्यक्तिगत लगाये गए और संगठन की आपसी फूट साफ देखी गई।

मण्डल और मोर्चों के बैनर गायब

स्वागत की बेला में लगे पोस्टरों में संगठन के पदाधिकारियों के फोटो तक गायब रहे तो कुछ एक बैनर में स्थानीय संगठन के नेताओ को जगह मिली। भाजपा का तीन मंडलों में बटा पेटलावद विकास खण्ड है यहां स तीनो मंडलों की ओर एक भी स्वागत बैनर पेटलावद नही देखा गया न ही युवा मोर्चा की ओर से कोई पहल हुई । पेटलावद विकास खण्ड से भाजपा के चार मोर्चे अजा, अजजा, पिछड़ा और किसान मोर्चे के जिलाध्यक्ष सहित व्यापारी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष भी पेटलावद विकास खण्ड से आते हैं लेकिन अजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष को छोड़ कर सभी मोर्चे ओर उनके मण्डल इस स्वागत में अपनी उपस्थिति उस स्तर से नही दे पाए न ही इनके द्वारा अलग मंच लगा कर स्वागत किया गया। पेटलावद में हुवे स्वागत के बाद उदय गार्डन में सभा हुई जिंसमे एक हजार से कम संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद भी बैनर से गायब

केबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया के स्वागत में लगे बमुश्किल दस से पंद्रह बैनरों में न केवल स्थानीय संगठन गायब रहा बल्कि एक दो बैनरों को छोड़ कर बाकी सभी बैनरों में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तक का फोटो लगा हुवा नही देखा गया जिसने चलते निर्मला भूरिया को पेटलावद विधानसभा से टिकिट मिली और कही न कही मंत्री बनने में भी पुर्व मुख्यमंत्री चौहान का योगदान रहा है। उधर सांसद डामोर भी ज्यादातर बैनरों से गायब रहे उनमें भी भाजपा नेताओं ने कोई रूचि नही दिखाई । निर्मला भूरिया के मंत्री बनने के बाद सांसद का अब खुला विरोध भी देखा जाने लगा है ।

निर्मला को हराने वाले जमा रहे थे मजमा

जो भाजपा नेता निर्मला के स्वागत के लिए आये थे उनके कई ऐसे नेता पूरे रास्ते भर साथ दिखाई दिये जो चुनाव के दौरान मेडम क हराने में लगे रहे। बड़े बड़े नाम और पद के साथ अपने बूथ तक नही जीता पाये नेता खुद को ईमानदार भाजपा नेता बताने में लगे रहे।

15 दिन में ही उखड़ने लगा पैचवर्क, रोड मेंटेनेंस के नाम पर लीपापोती कर गए ठेकेदार

माही की गूंज, खवासा/भामल

ग्रामीण अंचल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से रोड का जाल बिछाया जा रहा तो ठेकेदार के माध्यम से 5 साल तक रख रखाव मेंटेनेंस का जिमा भी ठेकेदार को करना रहता है।

लेकिन विभागीय अधिकारियों की मिली भगत से ठेकेदार पेचवर्क के नाम पर ग्रामीण अंचलों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से बनाई गई सड़कों पर लीपापोती कर रहे है। मामला में मिली जानकारी में सामने आया कि, पिछले 15 दिनो मे भामल से बेडावा वाले 15 किलोमीटर मार्ग पर डामरीकरण की परत बिछाई गई थी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से ठेकेदार पद्मावती कंस्ट्रक्शन झाबुआ द्वारा भामल से बेडावा रोड पर कार्य किया गया था। लेकिन कार्य में लापरवाही बरती गईं जिसमे अभी से डामर तो उखड़ने लग गया है साथ ही ठेकेदार ने रोड के समीप साइड पटरी को भी नहीं भरा जिसके चलते वाहन चालकों का जैसे ही संतुलन बिगड़ा तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। विभागीय अधिकारी भी जानकर अनजान बने हुए हैं। निर्माणाधीन रोड के मेंटेनेंस के तहत मरम्मत और पैचवर्क का कार्य जो किया जा रहा है वह निम्न घटिया किस्म का हो रहा है। जिसमे जगह-जगह ठेकेदार द्वारा किए गए मरम्मत कार्य में अनियमितता व लापरवाह ठेकेदार द्वारा घटिया और गुणवत्ता विहीन मटेरियल का उपयोग कर पैच वर्क का कार्य किया गया। जिसके चलते निर्माण के 15 दिनों के भीतर ही भामल के मुख्य चौराहे पर गिट्टी ओर डामर निकलने लग गया जो कुछ दिनों बाद बड़े गड्ढे का रूप ले लेगा और इसके साथ ही निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार द्वारा रोड की खुदाई से निकलने वाला वेस्टेज मटेरियल प्राइमरी स्कूल के गेट के सामने डाल दिया गया। जिससे शाला परिसर का सौंदर्य तो समाप्त हो ही गया और वाहन चालकों को भी अपने वाहन रोड की साइट पट्टी बंद होने के कारण ओवरटेक करने में भी समस्या का सामना करना पढ़ रहा है और आए दिन बड़ी दुर्घटना का भय बना रहता है।

इस मामले मे विभागीय सब इंजीनियर शिल्पा सोलंकी से फोन पर संपर्क किया तो, उन्होंने बताया की कार्य प्रगति पर है और यदि गड्ढे बने भी है तो उन्हें पुनः ठेकेदार द्वारा ठीक कर दिया जाएगा यह कहकर मैडम ने अपना पल्ला झाड़ लिया और इसके आगे जब प्रतिनिधी ने विभागीय इंजीनियर से इंसटीमेंट की जानकारी मांगी तो उन्होंने फोन पर जानकारी नहीं दे पाऊंगी और आपको अगर विस्तृत जानकारी चाहिए तो ऑफिस में आकर ले लीजिए यह कहकर बात को टालम टोल कर जानकारी देने से मना कर दिया। इससे यही प्रतीत होता है कि, कहि ना कहि विभागीय अधिकारियों

द्वारा भी लापरवाही बरती जा रही है।

माही नहर में ओवर फ्लो पानी छोड़ने से किसानों की फसल हुई बर्बाद

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

माही नहर में ओवर फ्लो पानी छोड़ने से किसानो की फसल बर्बाद हो चुकी है। क्षेत्र में करीबन 5 से 6 किसानो की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी है, उनके खेत,तालाब बन चुके हैं। किसानों के खेत में प्याज, तरबूज, लहसुन, मटर आदि की फसल लगी हुई थी। देखा जाए तो इस वर्ष किसान पूरे वर्ष भर से प्राकृतिक घटनाओं से जूझ रहा है। वही अब मानवीय घटना ने किसान की कमर ही तोड़ दी है। उनकी फसल पूरी तरह से नष्ट हो चुकी है। किसान संदीप राधेश्याम पटेल, भेरूलाल पाटीदार, भरत पाटीदार, अक्षय पाटीदार, ईश्वर पाटीदार और भी कई किसानों के खेतों में पानी भर चुका है। किसानों ने अधिकारियों को खबर की जिसके बाद तहसीलदार, गिरदावर एवं पटवारी ने मौके पर पहुंच कर किसानों से चर्चा की। किसानों का कहना है कि, यह नहर का पानी प्रतिवर्ष रात में छोड़ा जाता है और छोड़ने से पहले आकर नहीं देखते है खेतो के क्या हाल हो रहे है। हमको इसका मुआवजा मिले और पूरी समस्या का समाधान करने की मांग की जा रही है।

सड़कों की हालत खस्ता, नई बनी सड़कों ने समय से पहले तोड़ा दम

सड़क पर चलने वालों के लिए कानून, पर घटिया सड़क के लिए कानून कब

माही की गुंज, बरवेट। जगदीश प्रजापत

देश में रोजाना दर्जनों से ज्यादा लोग सिर्फ सड़क पर गड्ढे होने की वजह से जान गंवा देते हैं। ऐसे में क्या इन मौतों के जिम्मेदार वे लोग नहीं हैं जो इस तरह की घटिया सड़कें बनाते है। देश मे सड़क पर वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओ के लिए देश मे कड़ा कानून बनाया जा रहा है लेकिन घटिया सड़को की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं में जान गवाने वालो के लिए कोई कानून नही है। यहाँ ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी भी सड़कें जो कुछ ही महीनों में या जरा-सी बारिश में गड्ढों में तब्दील हो जाती है। इससे तो लगता है कि लोकतंत्र में आम जिंदगी की कोई कीमत नहीं रह गई है। सवाल यह भी है कि, क्यों कोई सड़क ऐसी नहीं बनाई जाती जो पांच साल तक तो चल सके ? जनता के पैसे से ही देश चलता है। फिर भी अगर चलने के लिए आज तक अच्छी सड़के उपलब्ध नहीं हो सकी हैं तो यह न सिर्फ देश की जनता, बल्कि लोकतंत्र के साथ भद्दा मजाक और अन्याय है। स्मार्ट, आधुनिकता ओर विकसित भारत का दम भरते हमारे देश की सड़कों को देख कर तो कभी-कभी यह लगने लगता है कि, सड़कों में गड्ढे हैं या फिर गड्ढों में सड़कें। लेकिन आम जिंदगी का आए दिन जिन सड़कों और रास्तों से सामना होता है, बरसात के मौसम में उन्हें छोटे तालाब में तब्दील होने में देर नहीं लगती। लेकिन जैसे ही बारिश का मौसम खत्म होता है, इन गड्ढों को जो भरने का काम चल निकलता है। जगजाहिर है कि यह काम राजनीतिक भ्रष्टाचार का एक बड़ा औजार बन चुका है। सड़कें किसी भी देश की तरक्की की पहली सीढ़ी होती हैं। पर हमारे देश के सभी हिस्सों में जो एक बात सामान्य तौर पर नजर आ सकती है, वह है गड्ढे युक्त सड़कें जो जानलेवा साबित हो रही हैं।

जामली-सारंगी मार्ग की हालत खस्ता

लोक निर्माण विभाग द्वारा जामली बरवेट सारंगी मार्ग की लंबाई 10 किलोमीटर है। मार्ग की दोनों तरफ की पट्टियां एव गड्ढे नहीं भरे जाने के कारण आए दिन दो पहिया तथा चार पहिया वाहन चालक हादसे का शिकार हो रहे हैं। एकांकी सडक़ होने के कारण दो वाहन एक साथ नहीं निकल पाते। मजबूरन एक वाहन को सडक़ से नीचे उतारना पड़ता है। सडक़ के दोनों ओर आधे से एक फीट गहरी पट्टी भरी न होने से दुर्घटना का भय बना रहता है। विभाग ने बारिश के बाद बरवेट-सारंगी मार्ग की खस्ताहाल सड़को पर पेज वर्क तो कर दिया पर उस समय ही सडक़ के दोनों तरफ की पट्टियों में मोरम गिट्टी नही भरी। तथा विभाग के अधिकारियों ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया। आश्चर्य है कि, इस सडक़ मार्ग पर आए दिन नेता, सांसद, विधायक आदि के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारी गुजरते हैं। यहां तक कि गुजरात से सेकड़ो दर्शनार्थी चार पहिया वाहन लेकर महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए सेकड़ो वाहन इसी सड़क से गुजरते है। इसके बावजूद लोकनिर्माण विभाग द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

जामली-बेकलदा मार्ग बनने के कुछ समय बाद ही खो रहा अस्तित्व

कुछ समय पूर्व ही क्षेत्र को रायपुरिया, जामली, बेकलदा मार्ग की सौगात मिली लेकिन ठेकेदार ने यहां ऐसा घटिया निर्माण किया कि, मार्ग की हालत एक साल में ही खस्ता हो गई। रोड में जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं तो कई स्थानों पर सड़क की गिट्टी तक बाहर आ गई। निर्माण कार्य के दौरान कई बार घटिया निर्माण और ठेकेदार की लापरवाही की खबरे लगी लेकिन जिम्मेदारों ने इस पर ध्यान नही दिया। जिसके चलते ग्रामीण जन इसका खामियाजा भुगतने पर मजबूर होकर घटिया सड़क पर आवाजाही के लिए मजबूर हो रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422